राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 29 जनवरी 2024 वर्ष–7,अंक–6 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में अपनी मेहमाननवाजी से हुए खुश इमैनुएल मैक्रों, भारतवासियों को धन्यवाद सहित दिया फ्रांस आने का न्योता

नेशनल डेस्क. फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों का भारत आने पर शानदार स्वागत किया गया था। इससे खुश होकर उन्होंने भारतवासियों को धन्यवाद दिया। मैक्रों ने भारतीयों को फ्रांस आने का न्योता भी दिया। फ्रांस में इस साल कई बड़े आयोजन होने हैं, जिसके लिए इमैनुएल मैक्रों ने भारतीयों को फ्रांस आने की बात कही।

शनिवार को सोशल मीडिया पर साझा किए एक पोस्ट में फ्रांस के राष्ट्रपति ने लिखा कि %फ्रांस इस साल पूरी दुनिया का स्वागत करेगा। इस साल द्वितीय विश्व युद्ध की सालगिरह मनाई जाएगी, ओलंपिक और पैरालिंपिक खेलों का आयोजन भी पेरिस में होगा। इनके साथ फ्रैंकोफोनी सम्मेलन भी होगा। हमारे दोस्तों, आप सभी का स्वागत है।'

बता दें शुक्रवार शाम में फ्रांस के राष्ट्रपति, भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ दिल्ली की मशहूर निजामुद्दीन औलिया की दरगाह भी गए। इमैनुएल मैक्रों दरगाह में करीब आधा घंटा रुके। इस दौरान उन्होंने दरगाह पर चादर चढाई और कव्वाली का भी आनंद लिया, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है।

जानकारी के लिए बता दें इमैनुएल मैक्रों 25 जनवरी को दो दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे थे। वह गुरुवार दोपहर में जयपुर पहुंचे। इसके बाद शाम में मैक्रों और पीएम मोदी ने जयपुर में रोड शो किया। जयपुर में दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। शुक्रवार शाम में दोनों नेताओं के बीच हुई मुलाकात को लेकर संयुक्त बयान जारी किया गया, जिसमें दोनों नेताओं ने लाल सागर में नेविगेशन की आजादी और अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने पर जोर दिया।

नीतीश कुमार बिहार में सियासी उठा-पटक के बीच अश्विनी चौबे के संग आए नजर

बिहार के मुख्यमंत्री एवं जनता दल के अध्यक्ष नीतीश कुमार के अपना रुख एक बार फिर बदल कर भाजपा के नेतृत्व वाले राजग में वापसी के संकेतों के बीच सत्तारूढ़ महागठबंधन में अनिश्चितता के बादल छाये हुए प्रतीत हो रहे हैं. भाजपा का कहना है कि नीतीश के लिए एनडीए के दरवाजे खुले हैं.

बक्सर. बिहार की राजनीति में बड़े फेरबदल के संकेत मिल रहे हैं. जनता दल युनाइटेड (जद-यू) के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में वापसी की अटकलों के बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे के साथ देखा गया. नीतीश कुमार बक्सर के ब्रह्मपुर में दूसरे चरण के विकास कार्यों का शिलान्यास करने श्री बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ धाम पहुंचे थे. यह अश्विनी चौबे के साथ नीतीश कुमार की नजदीकियां काफी कुछ बयां कर गई. अश्विनी चौबे ने खुलकर तो कुछ नहीं कहा, लेकिन इशारा कर दिया कि एनडीए में नीतीश कुमार की एंट्री होने जा रही है. सीएम नीतीश कुमार के साथ ब्रह्मेश्वरनाथ धाम का उद्घाटन करने के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा, भगवान की जो इच्छा होगी, वही होगा... पहली बार मैं ही उन्हें (नीतीश कुमार) को यहां लाया था और आज भी मैं उसे ले आया हूं. इधर, बिहार के मौजूदा राजनीतिक हालात पर बीजेपी के मुख्य सचेतक बिहार विधान परिषद डॉ. दिलीप जयसवाल ने भी इशारों ही इशारों में बहुत कुछ कह दिया, ÷देखिए, राजनीति में कुछ भी संभव है. 2024 में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को एक मजबूत सरकार मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए हम किसी भी फॉर्मूले या कारक पर विचार कर सकते हैं... अगर नीतीश जी को लगता है कि महागठबंधन नहीं, बल्कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश को नई सरकार मिलनी चाहिए, तो ऐसे लोगों के लिए चुनाव के एक दिन पहले तक भी बीजेपी के दरवाजे खुले हैं... कोई ललन सिंह या अशोक चौधरी फैक्टर नहीं है...

बिहार के राजनीतिक हालात पर दिल्ली में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान कहते हैं, कुछ समय में सब कुछ पता चल जाएगा.

यूपी में कांग्रेस को 11 सीटें देगी समाजवादी पार्टी, अखिलेश यादव ने ट्वीट कर दी जानकारी

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा कि कांग्रेस के साथ 11 मज़बूत सीटों से हमारे सौहार्दपूर्ण गठबंधन की अच्छी शुरुआत हो रही है.

नई दिल्ली. आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर INDIA गठबंधन में सुगबुगाहट तेज हो गई है. तमाम पार्टियां किस सीट से अपने किस उम्मीदवार को उतारेगी इसे लेकर भी मंथन शुरू हो गया है. इन सब के बीच उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कांग्रेस के साथ सीट शेयरिंग को लेकर अब सबकुछ तय हो गया है. अखिलेश यादव ने इसका ऐलान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके दिया है.

कांग्रेस के साथ 11 मज़बूत सीटों से हमारे सौहार्दपूर्ण गठबंधन की अच्छी शुरुआत हो रही हैज ये सिलसिला जीत के समीकरण के साथ और भी आगे बढ़ेगा।

'इंडिया' की टीम और 'पीडीए' की रणनीति इतिहास बदल देगी।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि कांग्रेस के साथ 11 मज़बूत सीटों से हमारे सौहार्दपूर्ण गठबंधन की अच्छी शुरुआत हो रही है. ये सिलसिला जीत के समीकरण के साथ और भी आगे बढ़ेगा. 'इंडिया' की टीम और 'पीडीए' की रणनीति इतिहास बदल देगी.

पिछले एक साल में सब्जियों की कीमत 60 प्रतिशत तक बढ़ी, कांग्रेस ने महंगाई को लेकर केंद्र सरकार को घेरा

कांग्रेस ने महंगाई के मुद्दे को लेकर शनिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक मंदी को लेकर चिंतित है लेकिन सरकार ध्यान भटकने में लगी हुई है।

नेशनल डेस्क. कांग्रेस ने महंगाई के मुद्दे को लेकर शनिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक मंदी को लेकर चिंतित है लेकिन सरकार ध्यान भटकने में लगी हुई है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स पर पोस्ट किया, ''महंगाई और बेरोजगारी डायन खाए जात है। 'अहंकाराचार्य के महंगाई काल में हर तीन में से एक भारतीय को इस साल नौकरी खोने की चिंता सता रही है, वहीं 57 प्रतिशत महंगाई से चिंतित हैं। उन्होंने एक खबर का हवाला देते हुए कहा कि पिछले एक साल में सब्जियों की कीमत 15 से 60 प्रतिशत तक बढ़ी है। रमेश ने आरोप लगाया, ''भारत में हर दूसरा व्यक्ति अन्याय काल में पीड़ित है और महंगाई, आर्थिक मंदी, बेरोज़गारी तथा लड़ाई झगड़े बढ़ने से चिंतित है, पर मोदी सरकार अपने चित परिचित अंदाज़ में देश का ध्यान भटकाने में लगी है। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस जनता को न्याय दिलाने के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी। कल दोपहर से न्याय यात्रा जलपाइगुड़ी से शुरू होगी। अब होगा न्याय।

अमेठी का पता नहीं, पर वायनाड सीट से राहुल गांधी का लोकसभा चुनाव लड़ना तय

नई दिल्ली. आगामी लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सीट को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। वर्तमान में राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से कांग्रेस के लोकसभा सांसद हैं। उनका अगला चुनाव भी इसी सीट से लड़ना तय है। एक कांग्रेस नेता ने इसकी पुष्टी कर दी है। हालांकि उनकी पूर्व सीट अमेठी को लेकर अभी कुछ पता नहीं है। कांग्रेस सांसद के. मुरलीधरन ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी आगामी लोकसभा चुनाव वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से लड़ेंगे। मुरलीधरन ने कहा कि कन्नूर को छोड़कर केरल के सभी मौजूदा सांसदों की अपने वर्तमान निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की उम्मीद है।

इससे पहले राहुल गांधी 2004 से लेकर 2014 तक, लगातार तीन बार उत्तर प्रदेश के राय बरेली जिले की अमेठी सीट से लोकसभा सांसद रहे थे। लेकिन 2019 के चुनावों में वे सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार स्मृति

ईरानी से हार गए। राहुल गांधी ने 2019 में अमेठी और वायनाड, दोनों जगह से चुनाव लड़ा था। वायनाड से उन्हें जीत मिली थी।

कांग्रेस सांसद के. मुरलीधरन यहां संवाददाताओं से कहा, "मेरा मानना है कि अब तक यही व्यवस्था है। राहुल गांधी वायनाड से चुनाव लड़ेंगे और इसमें कोई बदलाव नहीं है।" मुरलीधरन ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में चल रहे मुद्दों को खास तवज्जो नहीं दी। उन्होंने कहा, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में कोई समस्या नहीं है। जब वे केंद्र में आएंगे तो सभी भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ एकजुट होंगे।

अमेठी से भी लड़ेंगे राहुल गांधी?

पिछले साल नवंबर में यूपी कांग्रेस प्रमुख ने घोषणा की थी कि राहुल गांधी अमेठी से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने कहा था कि राहुल गांधी 2024 का लोकसभा चुनाव अमेठी निर्वाचन क्षेत्र से लड़ेंगे। राय ने मुंबई में एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा, वे पीढ़ियों से अमेठी के लोगों के लिए काम कर रहे हैं।

राहुल जी निश्चित रूप से अमेठी से चुनाव लड़ेंगे। हालांकि, बाद में टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए अजय राय ने स्पष्ट किया कि उनके कहने का मतलब यह था कि अमेठी के लोग चाहते हैं कि राहुल वहां से चुनाव लड़ें।

आसानी से नहीं होने देंगे तख्तापलट, क्यों बोले तेजस्वी; राजद खेमे में क्या चल रही तैयारी?

दावा किया जा रहा है कि राजद किसी दलित चेहरे को मुख्यमंत्री पद के लिए आगे कर सकता है और राजद-कांग्रेस व वाम दलों के विधायकों की परेड गवर्नर के सामने करा सकता है।

नई दिल्ली. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पलटी मारने की चल रही सियासी अटकलों के बीच उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की तरफ से एक बयान आने का दावा किया जा रहा है, जिसमें कहा गया है कि राज्य में आसानी से तख्तापलट होने नहीं दिया जाएगा। विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि महागठबंधन सरकार गिरने की स्थिति में राजद आसानी से एनडीए सरकार की ताजपोशी होने नहीं देगी। इसके लिए राजद खेमा तैयारियों में जुटा है।सूत्रों के मुताबिक, दावा किया जा रहा है कि राजद किसी दलित चेहरे को मुख्यमंत्री पद के लिए आगे कर सकता है और राजद-कांग्रेस एवं वाम दलों के विधायकों की परेड गवर्नर के सामने करा सकता है। बहरहाल, राजद ने अपने सभी विधायकों की एक बैठक 5 सर्कुलर रोड स्थित तेजस्वी यादव के सरकारी आवास पर दोपहर एक बजे बुलाई है। कहा जा रहा है कि राजद सुप्रीमो लालू यादव ने कल नीतीश कुमार को पांच बार फोन किया लेकिन नीतीश ने उनका फोन नहीं उठाया, इससे लालू यादव नीतीश से नाराज हो गए हैं। शिवानंद तिवारी के बारे में भी कहा जा रहा है कि उन्होंने भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात का वक्त मांगा लेकिन उन्हें भी निराशा हाथ लगी है। इससे शिवानंदज तिवारी भी नीतीश कुमार से खफा हो गए हैं। अटकलें लगाई जा रही हैं कि नीतीश कुमार बिहार विधानसभा भंग करने की भी सिफारिश कर सकते हैंष हालांकि, चर्चा यह भी है कि वह 2025 के विधानसभा चुनाव तक मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं।

ईडी ने 29 या 31 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया, हेमंत सोरेन बोले- मार्च तक टाइम नहीं

बीते 20 जनवरी को ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके आवास पर जाकर 7 घंटे तक पूछताछ की थी। ईडी के अधिकारियों ने सीएम आवास में एक अलग कमरे में हेमंत सोरेन से मामले में पूछताछ की थी।

नई दिल्ली. झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मुश्किलें मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में बढ़ती जा रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) ने शनिवार को उन्हें फिर से पत्र भेजा और जिसमें कहा गया कि भूमि घोटाले को लेकर पूछताछ के लिए 29 या 31 जनवरी की तारीख दें। इसमें कहा गया कि अगर तारीख नहीं दी गई तो एजेंसी खुद उनसे पूछताछ के लिए पहुंच जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, सोरेन ने इसके जवाब में कहा कि मार्च तक उनके पास टाइम नहीं है, इसलिए वह 29 या 31 जनवरी को पूछताछ के लिए मौजूद नहीं रहेंगे।

इससे पहले भी ईडी ने सीएम सोरेन को चिट्ठी भेजी थी जिसका उन्होंने जवाब भी दिया था। सीएमओ का कर्मी पत्र लेकर ईडी ऑफिस पहुंचा था। मौके पर पत्रकारों ने सीएमओ

कर्मी से पत्र के बारे में पूछा तो कर्मी ने कुछ भी बताने से इनकार कर दिया था।

जमीन घोटाला मामले में ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बीते 22 जनवरी को समन भेजा था। ईडी ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर 27 जनवरी से 31 जनवरी के बीच पूछताछ के लिए जगह बताने को कहा था। बीते 20 जनवरी को ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उनके आवास पर जाकर 7 घंटे तक पूछताछ की थी। ईडी के अधिकारियों ने सीएम आवास में एक अलग कमरे में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मामले में पूछताछ की थी।

ईडी के अनुसार, यह जांच झारखंड में माफिया की ओर से भूमि स्वामित्व में अवैध परिवर्तन के बड़े गिरोह से जुड़ी है। मामले में अब तक 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 2011 बैच के अधिकारी छवि रंजन भी शामिल हैं, जो राज्य के समाज कल्याण विभाग के निदेशक और रांची के उपायुक्त के रूप में कार्यरत थे।

ईडी की पूछताछ के बाद सोरेन ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ साजिश रची गई है। उन्होंने आवास के बाहर खड़े अपने समर्थकों की भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि वह डरे नहीं हैं और गोलियों का सामना सबसे पहले वह करेंगे। सोरेन ने अपने समर्थकों से कहा, %मेरे खिलाफ साजिश रची गई है, लेकिन षड्यंत्रकारियों के ताबूत में आखिरी कील हम ठोकेंगे। हम डरेंगे नहीं, गोलियों का सामना आपका नेता सबसे पहले करेगा और आप अपना मनोबल ऊंचा रखें। मैं आपके अटूट समर्थन के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूं। हेमंत सोरेन पार्टी के हर कार्यकर्ता के साथ खड़ा रहेगा। सोरेन ने कहा कि वह गाजर या मूली की तरह नहीं हैं, जिसे आसानी से उखाड़ा जा सके। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से घर-घर जाने और षड्यंत्रकारियों को लोगों के सामने बेनकाब करने को कहा।

विधायकों से बात, 25-25 करोड़ का ऑफर दिया; AAP ने बीजेपी पर लगाया 'ऑपरेशन कमल' का आरोप

नई दिल्ली. दिल्ली में एक बार फिर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी (आप) ने बीजेपी पर चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने दिल्ली में ऑपरेशन कमल की कोशिश का आरोप लगाया। पार्टी की वरिष्ठ नेता और मंत्री आतिशी का कहना है कि पिछले कुछ दिनों में बीजेपी आप की चुनी हुई सरकार को गिराने की कोशिश कर रही है। सात विधायकों से संपर्क किया है। उनसे कहा है कि हम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने वाले हैं। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद हम आप के विधायकों को एक-एक करके तोड़ेंगे। बीजेपी का कहना है कि वह आप के 21 विधायकों के संपर्क में है। इन 21 विधायकों की मदद से हम दिल्ली की चुनी हुई सरकार को गिरा देंगे। बीजेपी ने सात विधायकों को 25-25 करोड़ रुपए का ऑफर दिया है। अगर वो आप छोड़कर बीजेपी में आते हैं तो उन्हें पैसे दिए जाएंगे।

आतिशी के आरोपों के बाद केजरीवाल ने भी ऑपरेशन कमल का दावा किया है। सीएम ने एक्स पर लिखा, पिछले दिनों इन्होंने हमारे दिल्ली के सात विधायकों को संपर्क कर कहा है - कुछ दिन बाद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लेंगे। उसके बाद विधायकों को तोड़ेंगे। 21 विधायकों से बात हो गयी है। औरों से भी बात कर रहे हैं। उसके बाद दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार गिरा देंगे। आप भी आ जाओ। 25 करोड़ रुपये देंगे और बीजेपी के टिकट से चुनाव लड़वा देंगे।% हालांकि उनका दावा है कि उन्होंने 21 विधायकों से संपर्क किया है लेकिन हमारी जानकारी के मुताबिक उन्होंने अभी तक 7 विधायकों को ही संपर्क किया है और सबने मना कर दिया।

हमारे पास ऑडियो रिकॉर्डिंग है

यह पूछे जाने पर कि पार्टी किस आधार पर आरोप लगा रही है तो दिल्ली की मंत्री ने कहा कि

आप के पास एक भाजपा नेता की ऑडियो रिकॉर्डिंग है जिसमें वह आप विधायक से बात कर रहे हैं और उन्हें अरविंद केजरीवाल की संभावित गिरफ्तारी और विधायकों की खरीद-फरोख्त की योजना के बारे में बता रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस रिकॉर्डिंग को जल्द ही सार्वजनिक किया जाएगा।

आतिशी ने कहा, रिकॉर्डिंग में एक भाजपा नेता को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और उनकी गिरफ्तारी के बाद आप सरकार को गिरा देंगे।

सरकार गिराने की कोशिश

सीएम ने दिल्ली की सरकार गिराने की साजिश का आरोप लगाते हुए कहा, 'इसका मतलब किसी शराब घोटाले की जांच के लिए मुझे गिरफ्तार नहीं किया जा रहा बल्कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार गिराने के लिए षड्यंत्र कर रहे हैं। पिछले नौ सालों में हमारी सरकार गिराने के लिए इन्होंने कई षड्यंत्र किए। लेकिन इन्हें कोई सफलता नहीं मिली। भगवान ने और जनता ने हमेशा हमारा साथ दिया। हमारे सभी विधायक भी मजबूती से साथ हैं। इस बार भी ये लोग अपने नापाक इरादों में फेल होंगे।

आप से प्यार करती है जनता

दिल्ली के मुख्यमंत्री का कहना है कि जनता सरकार से बहुत प्यार करती है। इसलिए बीजेपी हमें चुनाव में नहीं हरा सकती। उन्होंने कहा, 'ये लोग जानते हैं कि दिल्ली की जनता के लिए हमारी सरकार ने कितने काम किए हैं।

इनकी पैदा की गयी तमाम अड़चनों के बावजूद हमने इतने काम किए हैं। दिल्ली की जनता 'आप' से बेइंतहा प्यार करती है। इसलिए चुनावों में 'आप' को हराना इनके बस की बात नहीं। तो एक फर्जी शराब घोटाले के बहाने गिरफ्तार करके सरकार गिराना चाहते हैं।

आप ने एक बार फिर दावा किया है कि पार्टी के 21 विधायकों को फोन किया गया। उन्हें 25 करोड़ रुपए देने का लालच दिया गया है। पार्टी का कहना है कि चुनी हुई सरकार गिराने की साजिश रची जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाइश रहे...

तनवीर जाफरी

राहुल गांधी को असम के एक विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित करने के लिये प्रवेश नहीं करने दिया गया। आखिरकार 23 जनवरी को यात्रा के 10वें दिन राहुल गांधी ने विश्वविद्यालय के छात्रों से असम-मेघालय सीमा पर सड़क पर बातचीत की और कहा-' कि मैं आपकी यूनिवर्सिटी आकर आपसे बात करना चाहता था और ये समझना चाहता था कि आप किन मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। इसके बाद जब राहुल गांधी की न्याय यात्रा गुवाहाटी पहुंची तो असम पुलिस ने गुवाहाटी सिटी जाने वाली सड़क पर बैरिकेडिंग लगाकर यात्रा को रोक दिया। यहां कांग्रेस समर्थकों के साथ पुलिस की भिड़ंत व धक्का मुक्की हुई। भीड़ ने बैरिकेडिंग तोड़ डाली।

कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो यात्रा सफलतापूर्वक पूरी करने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक बार फिर 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के नाम से सड़कों पर उतर चुके हैं। कार्यक्रमानुसार यह 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' लगभग 66 दिनों तक चलते हुये देश के 15 राज्यों और 110 जिलों से होकर गुजरना प्रस्तावित है। 20 मार्च को मुंबई में खत्म होने वाली यह यात्रा 15 राज्य और 110 जिलों के 337 विधानसभा व 100 लोकसभा सीटों से होकर गुजरेगी। 14 जनवरी को राहुल गांधी द्वारा मणिपुर के थौबल से शुरू की गयी यह 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' मणिपुर के बाद नगालैंड, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से होते हुए (मुंबई) महाराष्ट्र में समाप्त होगी। प्राप्त समाचारों के अनुसार 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' पार्ट 2 को पहले से भी अधिक जनसमर्थन मिल रहा है। जगह जगह लोगों की भारी भीड़ राहुल गाँधी को सुनने व देखने के लिये उमड़ रही है। परन्तु देश का 'रीढ़ विहीन' मीडिया राहुल गाँधी की सफल 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' को कोई महत्व नहीं दे रहा। मीडिया तो सत्ता के सुर से अपना सुर मिलाते हुये देश को केवल यह बताने में व्यस्त है कि देश में 'राम राज ' आ चुका है।

'भारत जोड़ो यात्रा' पार्ट 1 और 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' पार्ट 2 में एक और बहुत बड़ा अंतर देखने को मिल रहा है। 'भारत जोड़ो यात्रा' पार्ट 1 के समय जब राहुल गांधी ने 7 सितंबर 2022 से 30 जनवरी 2023 तक 145 दिनों की कन्याकुमारी से जम्मू-कश्मीर तक की यात्रा करते हुये 3570 किलोमीटर के सफर में 12 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों को कवर किया था। उस समय किसी भी पक्ष या विपक्ष के सत्तासीन राज्य से गुजरते वक़्त इस स्तर के शासकीय विरोध का सामना नहीं करना पड़ा था जितना इस बार उन्हें 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' पार्ट 2 के दौरान अपनी यात्रा के शुरूआती दौर में ही भाजपा शासित असम राज्य में करना पड़ा। असम में राहुल गाँधी की यात्रा रोकने, बाधित करने व राहुल गाँधी व उनके साथियों को हतोत्साहित करने के लिये असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने अपना पूरा जोर लगा दिया। राजनीति में इस तरह का विरोध राजनैतिक विरोध कम व्यक्तिगत रंजिश जैसा अधिक प्रतीत होता है? हिमंता बिस्वा सरमा ने राजनीति का कखग कांग्रेस में ही रह कर सीखा है। सरमा

के कांग्रेस में रहते हुये भाजपा इन्हें देश का सबसे भ्रष्ट कांग्रेस नेता बताया करती थी। कुछ अजित पवार की ही तरह। परन्तु जब से उन्होंने भाजपा में शरण पाई तब से वे न केवल असम में एक भाजपाई मुख्यमंत्री के रूप में सुशोभित हो रहे हैं बल्कि भाजपा की नेहरू-गांधी परिवार व कांग्रेस विरोधी मुहिम के भी सबसे बड़े अगुआकार के रूप में नजर आ रहे हैं। यहाँ तक कि कुर्सी पर बने रहने और अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचारों की आंच से महफूज रहने के लिये वे संघ व भाजपा के साम्प्रदायिक व विभाजनकारी एजेंडे के भी 'नायक ' बने दिखाई देते हैं।

शायद तभी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के पांचवें दिन यानी 18 जनवरी को जब राहुल गांधी ने मणिपुर से नगालैंड होते हुये असम में प्रवेश किया तो उन्होंने असम के शिवसागर जिले में पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुये कहा कि भाजपा और फ्रर देश में आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक अन्याय कर रही है। जबकि 'भारत जोड़ा न्याय यात्रा' का लक्ष्य हर धर्म, हर जाति के लोगों को एकजुट करने के साथ इस अन्याय के खिलाफ लड़ना भी है। इसी तरह राहुल ने यात्रा के अगले दिन 19 जनवरी को असम के लखीमपुर जिले के गोगामुख में एक जनसभा में कहा कि -'भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ दिल्ली से हिंदुस्तान पर शासन करना चाहते हैं, जबकि कांग्रेस स्थानीय शासन का समर्थन करती है। ' एक ओर तो असम से गुजरते वक़्त राहुल अपनी सभाओं व वाताओं में संघ व भाजपा पर तथा मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर आक्रामक थे तो दूसरी तरफ उन्हें भारी जनसमर्थन व जन उत्साह देखने को मिल रहा था। शायद यही बात भाजपा व बिस्वा सरमा से सहन नहीं हो सकी और संभवतः इसी वजह से राजनैतिक विरोध व्यक्तिगत विरोध के स्तर तक आ गया।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने 19 जनवरी को यह यह कह दिया था कि कांग्रेस की न्याय यात्रा को न तो सुरक्षा दी जाएगी, न ही यह यात्रा शहर से होकर गुजरने दी जायेगी। इसी के अगले दिन यानी 20 जनवरी को कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के काफिले पर हमला किया गया। भाजपा के कुछ कार्यकर्ता अपनी पार्टी के झंडे लेकर राहुल की बस के सामने आ गए। राहुल भी बस से बाहर निकल पड़े। कांग्रेस ने इस हमले का आरोप भाजपा पर लगाया है। कांग्रेस के अनुसार-' इखढ के गुंडों ने पोस्टर-बैनर फाड़े, गाड़ियों में तोड़फोड़ की। यह लोग यात्रा को मिल रहे समर्थन से घबरा गए हैं। ' इसके अगले दिन यानी 21 जनवरी को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के आठवें दिन, असम में ही राहुल गांधी के साथ धक्का-मुक्की की गयी। उनके सिक्योरिटी गार्ड राहुल को बचाते हुए बस के अंदर सुरक्षित वापस ले गए। यहां कांग्रेस के पोस्टर्स व होर्डिंग्स फाड़े गये। इसके बाद उसके अगले दिन यानी 22 जनवरी को न्याय यात्रा के नौवें दिन राहुल अपने साथियों के साथ नगांव पहुंचे। वे यहां बोदोर्वा थान में संत श्री शंकरदेव के जन्म स्थल बताद्रवा थान मंदिर में दर्शन करने के लिये जाना चाहते थे परन्तु उन्हें प्रवेश करने की इजाजत नहीं दी गई। सुरक्षाबलों ने राहुल और अन्य कांग्रेसी नेताओं का काफिला रास्ते में हैबरगांव में रोक दिया। यहां सुरक्षाबलों से बहस के बाद राहुल और अन्य कांग्रेसी नेता धरने पर बैठ गए। इस विषय पर जब असम सीएम हेमंत बिस्वा सरमा से सवाल किया गया तो उत्तर था कि - 'आज 'रावण' के बारे में तो बात मत कीजिए'?

इसी तरह राहुल गांधी को असम के एक विश्वविद्यालय में छात्रों को संबोधित करने के लिये प्रवेश नहीं करने दिया गया। आखिरकार 23 जनवरी को यात्रा के 10वें दिन राहुल गांधी ने विश्वविद्यालय के छात्रों से असम-मेघालय सीमा पर सड़क पर बातचीत की और कहा-' कि मैं आपकी यूनिवर्सिटी आकर आपसे बात करना चाहता था और ये समझना चाहता था कि आप किन मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। इसके बाद जब राहुल गांधी की न्याय यात्रा गुवाहाटी पहुंची तो असम पुलिस ने गुवाहाटी सिटी जाने वाली सड़क पर बैरिकेडिंग लगाकर यात्रा को रोक दिया। यहां कांग्रेस समर्थकों के साथ पुलिस की भिड़ंत व धक्का मुक्की हुई। भीड़ ने बैरिकेडिंग तोड़ डाली। इसके बाद राहुल गांधी सहित अन्य कई नेताओं के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कर ली गयी। इस संबंध में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव के बाद हम राहुल गांधी को गिरफ़्तार करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के दौरान दंगा भड़काने की कोशिश की गयी थी और कांग्रेस ने असम में एक बड़ा सांप्रदायिक टकराव भड़काने की साजिश रची थी।

सवाल यह है कि लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज दबाने का आखिर यह कौन सा तरीका है? क्या राजनैतिक विरोध अब निजी शत्रुता जैसा रूप ले चुका है? वैसे दलबदल व अवसरवादिता की राजनीति के इस दौर में खासकर 'थाली के बैंगन' राजनीतिज्ञों के लिये डॉ बशीर बद्र का यह शेर बहुत ही प्रासंगिक लगता है -

दुश्मनी जम कर करो लेकिन ये गुंजाईश रहे।
जब कभी हम दोस्त हो जाएँ तो शर्मिंदा न हों। ।

संपादकीय

पुराने सहयोगियों को बी टीम क्यों बताना है?

कांग्रेस पार्टी के दूसरे नेताओं के साथ साथ अब राहुल गांधी भी इस मुहिम में शामिल हो गए हैं कि मुस्लिम नेताओं की पार्टियों को भाजपा की बी टीम बताया जाए। ऐसी पार्टियों को भी जो हाल के दिनों तक कांग्रेस की सहयोगी थीं। राहुल ने असम में अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्र के दौरान ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट आनी एआईयूडीएफ को भाजपा की बी टीम बताया। सोचें, बदरूद्दीन अजमल की पार्टी एआईयूडीएफ कुछ दिन पहले तक कांग्रेस की सहयोगी थी और दोनों पार्टियों ने मिल कर चुनाव लड़ा था। अभी दोनों के साथ मिल कर चुनाव लड़े तीन साल भी नहीं हुए हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में दोनों पार्टियों को झटका लगा था। कांग्रेस तो खैर किसी तरह से अपनी तीन सीटें बचाने में कामयाब रही थी लेकिन अजमल की पार्टी तीन से घट कर एक सीट पर आ गई थी और उसका सात फीसदी वोट खिसक गया था। उसके बाद दोनों पार्टियों ने 2021 के विधानसभा चुनाव में तालमेल किया था। विधानसभा चुनाव के अभी तीन साल नहीं हुए हैं। 2021 के मई में हुए चुनाव में कांग्रेस 95 और एआईयूडीएफ 20 सीटों पर लड़ी थी। इस महाजोत में बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के साथ तीन कम्युनिस्ट पार्टियां थीं और राजद भी शामिल था। लेकिन अब राहुल गांधी अजमल की पार्टी को भाजपा की बी टीम बता रहे हैं। इसी तरह का आरोप कांग्रेस नेता तेलंगाना में असदुद्दीन ओवैसी के बारे में लगा रहे हैं। उनको भी राहुल गांधी और अन्य नेताओं ने भाजपा की बी टीम बताया है। हालांकि एकीकृत आंध्र प्रदेश में उनके साथ भी कांग्रेस का तालमेल था। ओवैसी की पार्टी के साथ कांग्रेस का तालमेल 2012 के बाद खत्म हुआ। सिर्फ मुस्लिम पार्टियों को ही नहीं कुछ दिन पहले तक तो कांग्रेस अरविंद केजरीवाल को छोटा मोदी और उनकी पार्टी को भाजपा की बी टीम बताती थी। लेकिन अब उनके साथ तालमेल कर रही है।

चिंतन-मनन

जीवन निर्भरता और आत्म -निर्भरता का संयोग है

जीवन में सम्पूर्ण आत्म निर्भरता जैसा कुछ नहीं है। इसे भूल जाओ। यदि आप सोचते हो कि मैं पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर हो जाऊं तो ऐसा नहीं होगा। 15, 16 या 17 साल की आयु तक आप आत्मनिर्भर नहीं थे। आप आश्रित ही पैदा हुए थे। आप अपने आप उठ भी नहीं सकते थे, और कोई और आपको उठाता था। कोई आपके डायपर बदलता था। कोई आपको नहलाता था। कोई खिलाता था। कोई सुलाता था। आप एक आश्रित ही पैदा हुए थे और अंत में भी आश्रित ही रहोगे। जब आपकी मृत्यु हो जाती है तो आप अपने शरीर को अपने आप नहीं जला या दफना सकते। जब आप बीमार होते हो किसी को आपका ध्यान रखना होता है। आप अपने डाक्टर नहीं बन सकते। 50-60 वर्ष की आयु के बाद यह बिलकुल स्पष्ट हो जाता है कि आप किसी पर निभर होते हो।

किसी हद तक आप नहीं कह सकते कि, मैं पूरी तरह से आत्म निर्भर हूँ। आपको किसी ना किसी की सहायता लेनी ही पड़ती है। अच्छा, फिर यह भी धारणा है कि आप पैसे से आत्मनिर्भर बनते हो। हमें अपनी जरुरत पूरा करने के लिए कुछ पैसा चाहिए, पर मान लो कोई भी आपके लिए कार्य करना न चाहे, तो आपका क्या होगा? आपकी धारणा गलत है कि पैसा आपको आत्मनिर्भर बनाता है। पर इसके साथ साथ आप अपने आप को आत्मनिर्भर मान सकते हो, आप अपने कार्यों के लिए स्वतंत्र हो, आप अपनी भावनायों को नियंत्रित करने के लिए मुक्त हो, यदि आप अच्छा महसूस करना चाहते हो तो यह आपके अपने हाथ में हैं। यदि आप अच्छा महसूस नहीं करना चाहते तो यह भी आपके अपने हाथों में हैं।

आपको अष्टवप्र गीता सुननी चाहिए। जीवन निर्भरता और आत्म -निर्भरता का संयोग है। यदि आप दयालु होना चाहते हो, तो आपको पूरी स्वतंत्रता है ऐसा बनने की। यदि आप चाहते हो आपका शिष्टाचार अच्छा हो,आप मीठे बोल बोलो तो यह पूर्ण रूप से आपके उपर निर्भर करता है। आप सोच सकते हो वित्तीय रूप से आप स्वतंत्र हो परन्तु मैं आपको बता देना चाहूँगा यदि आप अपने मित्रों, परिवारजनों यां और भी किसी के अपमानजनक शब्द सहन कर लेते हो तो आप स्वतंत्र हो। यदि आपको कोई दोष देता है और आपके लिए बुरा भला कहता है, आप इसे किस तरह से लेते हो यही निर्धारित करता है कि आप कितने स्वतंत्र हो। यदि आप वास्तव में मुक्त हो तो कोई भी आपको परेशान नहीं कर सकता। आप उत्साह से, द्रष्टा बन कर और मुस्कान के साथ आगे बढ़ सकते हो।

नौवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे नीतीश कुमार

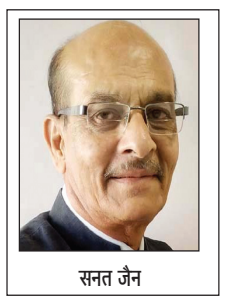
सनत जैन

बिहार की राजनीति में एक बार फिर महाभारत शुरू हो गया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा महागठबंधन की सरकार से इस्तीफा दे दिया है। वह अब एनडीए गठबंधन में शामिल हो गए हैं। एनडीए गठबंधन की ओर से वह नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। रविवार की सुबह उन्होंने अपना महागठबंधन के समर्थन से बने मुख्यमंत्री पद का इस्तीफा राज्यपाल को सौंप दिया है। रविवार को ही एनडीए गठबंधन से मिले समर्थन के कारण राज्यपाल उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ दिला देंगे। अभी तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए नीतीश कुमार ने राजनीति में एक नया रिकॉर्ड बना लिया है। बिहार की राजनीति में उन्हें पलटू राम भी कहा जाता है। किस तरह से राजनीति में पलटी ली जाती है, इसके पहले इसका अन्य कोई उदाहरण देखने को नहीं मिलता है। कोई जमाना था, जब हरियाणा में भजनलाल और बंसीलाल का नाम लिया जाता था। लेकिन दोनों नेताओं ने भी इतनी बार पाला नहीं बदला था, जितनी बार नीतीश कुमार ने बदल दिया है। भारतीय राजनीति में जिस तरीके की घटनाएं घट रही हैं। उसके बाद यह कहा जाने लगा है, कि

राजनीति की जो महाभारत शुरू हुई है। उसका कुरुक्षेत्र अथवा लड़ाई का मैदान अब पटना (बिहार) बन गया है। 1977 के आपातकाल के पहले जिस तरीके की राजनीतिक स्थिति बनी थी। उसका भी नेतृत्व बिहार के जयप्रकाश नारायण ने किया था। अब जिस तरह से फिर राजनीति में उहा पोह की स्थिति मची हुई है। उसमें एक बार फिर बिहार राज्य भारतीय राजनीति के महाभारत का लड़ाई का मैदान बन गया है। पिछले एक सप्ताह से सियासी घमासान शुरू हो गया है। नीतीश कुमार ने जब एनडीए का साथ छोड़ा था। तब उन्होंने कहा था, मैं मर जाऊंगा, लेकिन कभी भाजपा के साथ नहीं जाऊंगां। कुछ दिन पहले ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बिहार जाकर कहा था, कि नीतीश कुमार के लिए भारतीय जनता पार्टी के सभी खिड़की-दरवाजे बंद हो चुके हैं। अब वह कभी बीजेपी में वापस नहीं आएंगे। इसके बाद भी एक बार फिर नीतीश कुमार और भाजपा के बीच में फिर से गठबंधन हो गया है। नीतीश कुमार ने भाजपा के विरोध में इंडिया गठबंधन तैयार किया था। उन्हें इंडिया गठबंधन का संस्थापक भी माना जाता था। किन्तु उन्होंने एक झटके में इंडिया गठबंधन को टाटा-बाय कर दिया। ऐसा ही नीतीश कुमार ने शरद यादव के नीचे से जनता दल यू की कुर्सी खींच ली थी। इस दल-बदल में सबसे ज्यादा साख खराब हुई है, नीतीश कुमार की। कपूर्री ठाकुर की 100वीं जयंती पर केंद्र सरकार ने कपूर्री ठाकुर को भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित किया है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि लगभग 25 साल से भाजपा गठबंधन की सरकार बिहार में है। उसके बाद भी कभी कपूर्री ठाकुर द्वारा दिए गए आरक्षण और गरीबों के उत्थान का वह कोई काम नहीं किया गया, जो बिहार में किया जाना चाहिए था। 2024 के लोकसभा चुनाव के पूर्व कपूर्री ठाकुर के नाम पर जिस तरह की राजनीतिक विशात बिहार और देश में बिछाई जा रही है। उसके क्या परिणाम होंगे, इसका पता तो 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद ही पता चलेगा। बिहार की ताजी घटनाओं से यह तो साबित हो गया है। किसी भी राजनीतिक दल में अब विचारधारा का कोई स्थान नहीं रहा। नेताओं में भी विचारधारा और नैतिकता नहीं रही। अब जिस माध्यम से सत्ता मिल सकती है, सत्ता को ही वास्तविक नैतिकता का स्वरूप मान लिया गया है। भीड़ तंत्र का सिद्धांत अब राजनीतिक दलों और सरकारों पर भी शामिल हो गया है। लोकसभा 2024 के चुनाव को लेकर जो महाभारत होने जा रहा है। उसमें सत्य और असत्य की लड़ाई कौन जीतेगा, इसको अभी कह पाना मुश्किल है। कहा तो यही जाता है, कि अर्धम पर हमेशा धर्म की विजय होती है। इसी तरह सत्य हमेशा जीतता है। जो 2024 का चुनाव जीतेगा वही सत्य मान लिया जाएगा। इसके अलावा हमारे पास अन्य कोई विकल्प भी नहीं है।

वैश्विकी : हेग में मानवता की जीत

डॉ. दिलीप चौबे

हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) में इस्राइल को मुंह की खानी पड़ी तथा गाजा के असहाय लोगों में आशा की किरण जगी है। गाजा में इस्राइली सेना के नरसंहार को रोकने में इस न्यायालय का फैसला पूरी तरह सफल होगा, इसमें संदेह है। फिर भी विभिन्न देशों के न्यायाधीशों वाला यह न्यायिक मंच गाजा त्रासदी को कम करने में सहायक सिद्ध होगा। पहले अनुमान लगाया जा रहा था कि न्यायलय के सत्र न्यायाधीश अपने-अपने देशों की नीतियों का अनुसरण करते हुए फैसला देंगे, लेकिन इन न्यायाधीशों ने राष्ट्रीय संकीर्णता से ऊपर उठते हुए कानूनी और मानवीय रूप से ही विचार किया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से दायर किए गए इस मुकदमे में तात्कालिक राहत की प्रार्थना की गई थी। न्यायालय ने उसकी सभी मांगों को मान लिया। इस्राइल और उसके पैरोकार अमेरिका जैसे देश धृष्टता पर आमादा हैं। वे केवल इसी बात पर जोर दे रहे हैं कि अदालत ने युद्धविराम लागू करने का फैसला नहीं सुनाया। हकीकत यह है कि न्यायालय ने इस्राइल को जो निर्देश दिए हैं, यदि उन्हें लागू किया जाए तो गाजा

में युद्धविराम लागू हो जाएगा। अदालत ने इस्राइल को निर्देश दिया है कि वह फिलिस्तीन के लोगों की जानझमाल को नुकसान न पहुंचाए, जीवन-यापन के लिए जरूरी सुविधाओं से वंचित न करे तथा लोगों को घर-बार छोड़ने पर मजबूर न किया जाए।

आईसीजे में भारत का भी प्रतिनिधित्व था। न्यायमूर्ति दलबीर भंड़ारी ने मुकदमे के सभी बिंदुओं पर दक्षिण अफ्रीका के समर्थन में फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति भंड़ारी की गाजा के हालात पर समझदारी विदेश मंत्री एस. जयशंकर के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकती है। गाजा के घटनाक्रम को केवल राजनीतिक और कूटनीतिक नफा-नुकसान से ही नहीं तौला जाना चाहिए। यह मानवता के भविष्य से जुड़ा मसला है। आशा की जानी चाहिए कि विदेश मंत्रालय आईसीजे के अंतरिम फैसले की समीक्षा कर गाजा नीति में आवश्यक बदलाव करेगा। जरूरत इस बात कि है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दक्षिण अफ्रीका और उसके राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा के साथ खुलकर एकजुटता प्रदर्शित करें। तकाजा तो यह था कि भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों साझा रूप से यह मुकदमा दायर करते तथा भारत के जाने-माने वकील दलील पेश करते। कुछ भी हो आज पूरा श्रेय दक्षिण अफ्रीका और राष्ट्रपति रामाफोसा की झोली में जा रहा है। ग्लोबल साउथ को ऐसे ही नेतृत्व की जरूरत है।

इस्राइल और उसके पैरोकार अमेरिका जैसे देशों के रवैये से लगता है कि गाजा में खून-खराबा रुकने की उम्मीद कम है। जिस दिन फैसला आया उसी दिन अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र राहत कार्य एजेंसी को आर्थिक अनुदान बंद कर दिया। 'एंग्लो-सेक्शन गठजोड़' के देशों कनाड़ा और आस्ट्रेलिया ने इसका अनुसरण किया। एक ऐसे समय जब इस एजेंसी के आर्थिक और मानवीय संसाधनों को बढ़ाना चाहिए था, उनमें कटौती की जा रही है। यही कारण है कि हमास और हिज्बुल्लाह जैसे संगठन मानते हैं कि इस्राइल को केवल लड़ाई के मैदान में ही हराया जा सकता है। फिलहाल, लेबनान में हिज्बुल्लाह और यमन में हूती ने अपनी सैनिक कार्रवाइयों को सीमित रखा है, लेकिन इतने से ही इस्राइल और उसके पैरोकार देशों की नाक में दम हो गया है। यदि संघर्ष का विस्तार होता है तो इस्राइल को और अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी।

हर साल 27 जनवरी का दिन होलोकॉस्ट स्मरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। हिटलर और नाजी जर्मनी ने लाखों यहूदियों को मौत के घाट उतारा था। होलोकॉस्ट दिवस पर विश्व बिरादरी यह संकल्प दोहराती है कि भविष्य में हम ऐसा नहीं होने देंगे। इसे विडंबना कहा जाएगा कि होलोकास्ट दिवस के अवसर पर संयुक्त राष्ट्र में आयोजित कार्यक्रम में इस्राइल के राजदूत ने गाजा नरसंहार को जायज ठहराने की कोशिश की। इसे विकृत मानसिकता ही कहा जाएगा कि स्वयं पीड़ित रहा समुदाय दूसरे को पीड़ा पहुंचाने में सुख महसूस करे। हालांकि इस्राइल में भी कई ऐसे यहूदी बुद्धिजीवी हैं जो फिलिस्तीनियों के पक्ष में आवाज उठा रहे हैं। अमेरिका में विरोध-प्रदर्शनों के दौरान भी कुछ यहूदी संगठन भाग लेते हैं। यह बात और है कि युद्धोन्माद के कोलाहल में उनकी आवाज अनसुनी हो जाती है।

संक्षिप्त समाचार

लौट आई है फ्लिपकार्ट की क्राफ्टेड बाय भारत समर्थ सेल

मुंबई एजेंसी। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने आज अपने फ्लैगशिप सेल इवेंट क्राफ्टेड बाय भारत के सातवें संस्करण का एलान किया है। भारत के 75वें गणतंत्र दिवस के मौके पर 26 जनवरी, 2024 को सेल आयोजित की जाएगी। यह विशेष सेल इवेंट भारत की संस्कृति एवं समृद्ध विरासत को समर्पित उत्सव है जिसमें देशभर से प्रतिष्ठित ब्रांड्स के हैंडलूम एवं हैंडीक्राफ्ट की विविध रेंज प्रदर्शित की जाएगी। इस इवेंट से मिलने वाले मौके को लेकर फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा हम गणतंत्र दिवस मना रहे हैं और इस अवसर पर अपने फ्लिपकार्ट समर्थ पार्टनर्स को उनके विविध उत्पाद प्रदर्शित करने के लिए प्लेटफॉर्म प्रदान करने और इस सेल इवेंट के दौरान हमारे 50 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों को समृद्ध भारतीय संस्कृति से जुड़ने का मौका देने की हमें खुशी है। सातवें संस्करण के साथ हम स्थानीय कारीगरों, बुनकरों, हस्तशिल्पियों, स्वयं सहायता समूहों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों की विकास एवं समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए संकल्पबद्ध हैं। इस गणतंत्र दिवस पर श्क्राफ्टेड बाय भारतश् को गहरी सांस्कृतिक कहानियों से जुड़े अनूठे उत्पादों और विभिन्न क्षेत्रों के हाथों से बुने उत्पादों को प्रदर्शित करने के हिसाब से तैयार किया गया है, जिससे भारत की विरासत का अनुभव होगा।

ग्रेविटा इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही के परिणामों की घोषणा की

मुंबई एजेंसी। वित्त वर्ष 24 की तीसरी तिमाही में लीड की रीसाइक्लिंग मात्रा 34,488 मेट्रिक टन, एल्यूमीनियम की 3,264 मेट्रिक टन और प्लास्टिक की 2,458 मेट्रिक टन पर पहुंच गई. ग्रेविटा इंडिया ने रीसाइकलिंग उद्योग में अपनी लीडरशिप पोजिशन लगातार बनाए रखी है और वह सर्कुलर अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण पर फोकस कदम के रूप में उभरते सुअवसरों का लाभ उठाने के लिए बेहतर स्थिति में है. मैनेजमेंट अभी स्टेकहोल्डर्स के लिए वैल्यू का निर्माण करने और विश्वसनीय एप्रोच के साथ अपनी दीर्घकालीन विकास योजना पर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध है. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, ग्रेविटा इंडिया लिमिटेड के पूर्णकालिक डायरेक्टर और सीईओ श्री योगेश मल्होत्रा ने कहा, ग्रेविटा मजबूती से नए कारोबारी क्षेत्र में विविधीकरण पर फोकस करते हुए अपने महत्वाकांक्षी स्पष्ट विजन को हासिल करने की दिशा में प्रगति कर रही है और 25 प्रतिशत+ और 35 प्रतिशत+ का आय सीएजीआर तथा लाभप्रदता वृद्धि हासिल कर रही है. ।

बिरला कॉर्पोरेशन लि. के रायबरेली सीमेंट वर्क्स ने मनाई सिल्वर जुबली

रायबरेली, एजेंसी। श्री संदीप घोष, एमडी और सीईओ, बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश में एमपी बिरला सीमेंट की पहली ग्राइंडिंग यूनिट, रायबरेली सीमेंट वर्क्स की सीमेंट और हाउसकीपिंग मानदंडों पर दक्षता, सुरक्षा रिकॉर्ड, गुणवत्ता पर प्रकाश डालते हुए इसे ÷छोटी लेकिन सुंदर-स्माल बट ब्यूटीफुल÷ कहकर सराहना की है। आज आरसीडब्ल्यू के सिल्वर जुबली समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस यूनिट ने ग्राहकों के लिए सेवा स्तर में सुधार करके पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रमुख बाजारों में कंपनी के ब्रांड्स की पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसने कंपनी का पहला प्रीमियम पीपीसी ब्रांड, एमपी बिरला सीमेंट अल्टीमेट भी तैयार किया, जिसे समझदार उपयोगकर्ताओं द्वारा बहुत सराहा गया। कंपनी की कुंदनगंज यूनिट की शुरूआत के बाद भी, रायबरेली हाई ग्रेड सीमेंट के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण स्रोत बना हुआ है, जो रायबरेली, लखनऊ और अमेठी-सुल्तानपुर बेल्ट के प्रमुख बाजारों की आपूर्ति करता है। घोष ने इस बात पर जोर दिया कि प्रदर्शन, नैतिकता और संस्कृति के लिए तारीफपाने की दृष्टि से कंपनी को अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ बनना होगा।

अदाणी समूह पर हुए हमले को किया विफल : गौतम अदाणी

मुंबई, एजेंसी। हमें अतीत में जीना नहीं चाहिए लेकिन उससे सीख लेते हुए निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। आज का दिन भी ऐसा ही मौका है। ठीक एक साल पहले न्यूयार्क स्थित शार्ट सेलर फर्म ने तथाकथित शोध रिपोर्ट पेश करते हुए अदाणी समूह के खिलाफ आरोपों का संकलन सार्वजनिक किया था। संकलन इसलिए कहा क्योंकि उसमे उल्लिखित तमाम आरोप, हमारे विरोधी समय-समय पर पहले भी लगाते रहे थे। कुल मिलाकर, यह प्रकट और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी से प्राप्त चुनिंदा अर्धसत्यों का एक चालाकी से तैयार किया गया मसौदा भर ही था। इन आरोपों को सिरे से खारिज कर हमने त्वरित प्रतिक्रिया दी लेकिन हमारी प्रतिक्रिया पर इस बार तथ्यहीन आरोप हावी हो रहे थे। शेयर बाजार और राजनीतिक बयानबाजी ने हमें कुछ ही समय में मामले की गंभीरता का अहसास करा दिया था।

शॉर्ट-सेलिंग हमलों का प्रभाव आम तौर पर वित्तीय बाजारों तक ही सीमित होता है। लेकिन यह एक अनोखा द्वि-आयामी हमला था - एक

वित्तीय और दूसरा राजनैतिक। दोनों क्षेत्रों का प्रभाव एक दूसरे पर पड़ा 7 मीडिया में कुछ लोगों की सहायता और प्रोत्साहन से हमारे खिलाफ झूठ इतना प्रभावी था कि हमारे पोर्टफोलियो की जमीनी वास्तविकतायें धूल धूसरित होती महसूस हो रही थीं। ऐसा इसलिए था क्योंकि आमतौर पर पूंजीबाजार तर्कसंगत से अधिक भावनात्मक होते हैं।

मुझे अधिक चिन्ता इस बात की हो रही थी कि हजारों छोटे निवेशकों अपनी बहुमूल्य बचत खो रहे थे। साथ ही, देश के लिहाज से भी चिंता का विषय यह था कि यदि हमारे विरोधियों की योजना पूरी तरह से सफल हो जाती तो डोमिनो प्रभाव (एक के प्रभाव से दूसरे का गिरना) से बंदरगाहों, हवाई अड्डों से लेकर बिजली उत्पादन-आपूर्ति श्रृंखला तक कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की संपत्तियों को नुकसान पहुंच सकता था। यह किसी भी देश के लिए एक भयावह स्थिति ही होती। लेकिन ईश्वर की कृपा और तमाम साथियों की सामूहिक कोशिशों से हम इस संकट से उभरे और मजबूत स्थिति में पहुंच गए। इस मुश्किल वक्त में वित्तीय निवेशक, ऋणदाता और रेटिंग एजेंसी सहित वित्तीय क्षेत्र के विशेषज्ञ, इस झूठ की सुनामी में भी पूरी ताकत से हमारे सच की पतवार को थामे रहे। इसकी वजह यह थी, उन्हें कंपनी की मजबूत वित्तीय स्थिति एवं गवर्नेंस की गहराई से जानकारी थी।

लिहाजा, हमने दशकों से अपनाई पारदर्शी तथ्य और सत्य पर आधारित कार्यपद्धति को ही रणनीति का आधार बनाया। हमारा पहला निर्णय अपने निवेशकों की सुरक्षा करना था। 20 हजार करोड़ रुपये का एफपीओ पूरा सब्सक्राइब हो जाने के बाद भी हमने वह राशि निवेशकों को वापस लौटाने का फैसला लिया। दुनिया के कॉर्पोरेट इतिहास में अभूतपूर्व इस कदम ने निवेशक कल्याण और नैतिक व्यावसायिक प्रथाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

इस युद्ध के कुहासे भरे माहौल में हमारा सबसे बड़ा हथियार नकद पूंजी की पर्याप्त उपलब्धता भी थी। हमारे मजबूत नकदी भंडार में 30 हजार करोड़ रुपये थे। इसके अलावा, कंपनियों हमने अपनी हिस्सेदारी को घटाकर अतिरिक्त 40 हजार करोड़ रुपये जुटाए, इससे हमारी वित्तीय स्थिति और मजबूत हुई। यह राशि अगले दो वर्षों के लिए कर्ज चुकाने के बराबर थी। इसके लिए हमारी मदद वित्तीय बाज़ार में विश्वस्तरीय बेदाग़ वित्तीय संस्था जैसे जीक्यूजी पार्टनर्स और क्यूआईए ने की। ऐसी संस्थाओं का साथ मिलने से बाकी वित्तीय संस्थानों का भरोसा हमारे प्रति बढ़ा।

बैंकों को मार्जिन-लिंक्ड फाइनेंसिंग के 17 हजार 500 करोड़ रुपये का प्री-पेमेंट करके कंपनी के शेयरों को बंधन मुक्त कर हमने अपने पोर्टफोलियो को बाजार की अस्थिरता से बचाया और रिंग-फेंस किया।इन विपरीत परिस्थितियों से निपटने की जिम्मेदारी स्वयं पर लेते हुए मैंने अपने साथियों को स्पष्ट तौर से व्यवसायों के संचालन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा। वह किस कदर सफल भी रहे इसका अंदाजा इस बात से लगायें कि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 47 प्रतिशत की रिकॉर्ड तोड़ मुनाफे में वृद्धि हुई। साथ ही अदाणी पोर्टफोलियो ने वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में भी अपना अब तक का सबसे अधिक लाभ दिया। इससे साफ जाहिर हो रहा था कि हम ठीक दिशा में आगे जा रहे हैं।

टेकमहिन्द्रा की तीसरी तिमाही की आय 1.8 प्रतिशत बढ़कर 13,101 करोड़ रुपये

मुंबई, एजेंसी। डिजिटल परिवर्तन, परामर्श और बिजनेस रिइंजीनियरिंग सेवाओं में विशेषज्ञ कंपनी टेक महिन्द्रा ने 31दिसंबर, 2023 को समाप्त हुई तिमाही के लिए अंकेक्षित समेकित वित्तीय नतीजों की आज घोषणा की। आय 157.3करोड़ डालर रही, तिमाही दर तिमाही 1.1प्रतिशत अधिक, साल दर साल 5.7प्रतिशत कम श स्थिर मुद्रा संदर्भ में आय तिमाही दर तिमाही 1.1प्रतिशत बढ़ी। एबिटा 13.8करोड़ डालर रहा, तिमाही दर तिमाही 6.4प्रतिशत अधिक, साल दर साल 47.1प्रतिशत कम, मार्जिन 8.8प्रतिशत, तिमाही दर तिमाही 40 आधार अंक अधिक। कर बाद लाभ 6.1करोड़ डालर, तिमाही दर तिमाही 3.0प्रतिशत अधिक, साल दर साल 61.0प्रतिशत कम। टेक महिन्द्रा के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ मोहित जोशी ने कहा, बीती तिमाही परिणा के लिहाज से मिलीजुली रही जिसमें विनिर्माण एवं हेल्थकेयर खंड में वृद्धि रही, लेकिन संचार, बीएफएसआई और हाईटेक जैसे क्षेत्रों में मामूली खर्च रहा। जहां इन बाजारों में इस विरोधाभास को दूर होने में अपना समय लगेगा, हम नई संरचना के तहत आंतरिक रूप से पुनः संगठित होने पर ध्यान दे रहे हैं और साथ ही हमारे संगठनों की नीव मजबूत कर रहे हैं। टेक महिन्द्रा के मुख्य वित्तीय अधिकारी रोहित आनंद ने कहा, इस साल ने हमें वापस जाकर अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करने का अवसर दिया है। हमें विश्वास है कि इन कदमों से हमें हमारी कार्यप्रणाली दुरुस्त करने और दीर्घकाल में मूल्य प्रदान करने में मदद मिलेगी।

गोदरेज समूह हीरे जैसा मज़बूत के शानदार विचार के साथ मना रहा है गणतंत्र दिवस

मुंबई एजेंसी। भारत 26 जनवरी को अपना 75वां गणतंत्र दिवस मनाने के लिए तैयार है और ऐसे में गोदरेज समूह को परिवर्तित राष्ट्र की यात्रा का जश्न मनाते हुए एक डिजिटल अभियान शुरू करने पर गर्व है। यह अभियान, आधिकारिक थीम, ऽहीरेजैसामज़बूत (विकसित भारत) के अनुरूप उन आम नागरिकों पर केंद्र में रखता है, जिन्होंने भारत की असाधारण गणतंत्र की हीरक जयंती को आकार दिया है। यह अभियान एक मार्मिक वीडियो कथा के ज़रिये उन दबावों, अथक परिश्रम और दृढ़ दृष्टि का सम्मान करता है, जिसने हमारे देश को हीरे के रूपक में बदल दिया है। किसानों से लेकर उद्यमियों तक, डॉक्टरों से लेकर सैनिकों तक और एथलीटों से लेकर कलाकारों तक, यह अभियान विविध पृष्ठभूमि और आयु वर्ग के आम जीवन के नायकों की कहानियों पर रोशनी डालता है, जिन्होंने भारत के विकास और गौरव में योगदान दिया है। गोदरेज इंडस्ट्रीज की कार्यकारी निदेशक और मुख्य ब्रांड अधिकारी, तान्या दुबाश ने इस अभियान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, हम 75वें गणतंत्र दिवस का जश्न मना रहे हैं और इस मौके पर हम अपने देश की दृढ़ता स्वीकार कर इसका जश्न मनाना चाहते हैं, जो बिलकुल हीरे की तरह दबाव झेलकर और भी अधिक मज़बूत बनकर उभरा। ऽहीरेजैसामज़बूत के ज़रिये हम देश और देश के नागरिकों की उल्लेखनीय यात्रा का जश्न मनाना चाहते हैं और हमें उम्मीद है कि यह सभी को हमारे राष्ट्र के निरंतर विकास और प्रगति में योगदान करने के लिए प्रेरित करेगा।

एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त अवधि के लिए 26,000 करोड़ का नया बिजनेस प्रीमियम दर्ज किया

मुंबई एजेंसी। देश के अग्रणी जीवन बीमाकर्ताओं में से एक, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त अवधि के लिए 26,000 करोड़ रुपये का न्यू बिजनेस प्रीमियम दर्ज किया, जबकि 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त अवधि में यह 21,512 करोड़ रुपये था। सिंगल प्रीमियम में 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त इसी अवधि की तुलना में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सुरक्षा पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करते हुए, एसबीआई लाइफ का प्रोटेक्शन न्यू बिजनेस प्रीमियम 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त अवधि के लिए 2,972 करोड़ रहा, जो 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त अवधि के लिए सुरक्षा व्यक्तिगत न्यू बिजनेस प्रीमियम यह 667 करोड़ रुपये रहा। व्यक्तिगत न्यू बिजनेस प्रीमियम 17,762 करोड़ रुपये रहा, 31 दिसंबर, 2022 को समाप्त इसी अवधि की तुलना में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त अवधि के लिए एसबीआई लाइफ का कर पश्चात लाभ 1,083 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का सॉल्वेंसी अनुपात 1.50 की नियामक आवश्यकता के मुकाबले 31 दिसंबर, 2023 तक 2.09 पर मजबूत बना हुआ है। एसबीआई लाइफ का एयूएम भी 65:35 के ऋण-इक्विटी मिश्रण के साथ 31 दिसंबर, 2023 को 24 प्रतिशत बढ़कर 3,71,410 करोड़ रुपये हो गया, जो 31 दिसंबर 2022 को 2,99,987 करोड़ रुपये था। 95 प्रतिशत से अधिक ऋण निवेश एएए और सॉवरेन उपकरणों में हैं।

SBI Life
Apne liye. Apno ke liye.

सर्वोकॉन सिस्टम्स ने परिवारों और व्यवसायियों के लिए सोलर रूफटॉप फाइनैंसिंग की सुविधा शुरू की

नई दिल्ली, एजेंसी। पावर कंडीशनिंग इक्विपमेंट और ट्रांसफॉर्मर निर्माण क्षेत्र में प्रख्यात एवं भारत के टॉप सर्वो वोल्टेज स्टैब्लाइजर मैन्युफैक्चरर का दर्जा पाने वाली कंपनी सर्वोकॉन सिस्टम्स लिमिटेड अपनी संपूर्ण सोलर फाइनैंसिंग पहल पेश कर उत्साहित है। यह पहल ग्राहकों को टिकाऊ रिन्यूएबल ऊर्जा समाधान अपनाने के लिए सुविधाजनक और सक्षम विकल्प प्रदान कराती है। सोलर एनर्जी के व्यापक तरीके से इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए सर्वोकॉन सिस्टम्स ने अपना सोलर रूफटॉप प्रोजेक्ट फाइनैंसिंग प्रोग्राम पेश किया है। कंपनी किफायती और भरोसेमंद सोलर पैनलों, इन्वर्टर और एक्सेसरीज की व्यापक रेंज पेश करती है जिससे पर्यावरण अनुकूल दुनिया के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का पता चलता है। सर्वोकॉन सिस्टम्स सोलर पैनल इंस्टॉलेशन के लिए संपूर्ण समाधान प्रदान कराती है जिससे ग्राहकों के लिए कार्य बेहद आसान हो जाता है। सोलर पैनल खरीदने पर ग्राहकों को कम परिचालन लागत और प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों के साथ ऋण अवधि चुनने जैसे फायदे मिलेंगे। कंपनी का पूरे देश में वितरकों का मजबूत नेटवर्क है जो आवासीय और व्यावसायिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है और अपने उत्पादों की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित करता है। सर्वोकॉन सिस्टम्स लिमिटेड में सोलर डिवीजन के निदेशक आसिफ खान ने कहा, 'मौजूदा समय में 7 मेगावॉट की निर्माणाधीन क्षमता के साथ साथ संपूर्ण सौर परियोजनाओं में 3 मेगावॉट की हमारी उपलब्धि अक्षय ऊर्जा समाधानों को उन्नत बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एनबीएफसी (गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनीयों) के साथ भागीदारी के जरिये, हम वित्तीय पहुंच बढ़ा रहे हैं। सर्वोकॉन सिस्टम्स आवासीय और व्यवसायियों को सौर क्रांति में शामिल होने, स्वच्छ, टिकाऊ ऊर्जा के लिए हमारे फाइनैंसिंग विकल्प का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित करती है। निरंतरता के लिए प्रतिबद्ध सर्वोकॉन प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों और ग्राहक-अनुकूल लोन लिमिट के साथ अक्षय ऊर्जा के इस्तेमाल को बढ़ावा दे रही है। विभिन्न चुनौतियों के बावजूद, वित्त वर्ष 2024 में सोलर उद्योग की मजबूती ऊर्जा संबंधित लक्ष्यों के लिए वैश्विक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उत्तर प्रदेश के हापुड़ में हमारा नया अत्याधुनिक सोलर पैनल निर्माण संयंत्र टिकाऊ ऊर्जा समाधान को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता की जल्द ही पुनः पुष्टि करेगा।

रोल्स रॉयस स्पेक्टर दक्षिण भारत में लॉन्च

चेन्नई, एजेंसी। रोल्स रॉयस की पहली पूरी तरह से इलेक्ट्रिक कार, स्पेक्टर को 23 जनवरी को दक्षिण भारत में लॉन्च किया गया दुनिया की पहली अल्ट्रा-लक्जरी इलेक्ट्रिक सुपर कूपे ने क्षेत्र में रोल्स रॉयस के लिए नए युग का सूत्रपात किया है दुनिया भर में स्पेक्टर के प्रति लोगों ने बेहद दिलचस्पी दिखाई है। 2024 तक इसकी डिलिवरी के ऑर्डर हैं। भारत के अल्ट्रा हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल्स (यूएचएनडब्ल्यूआई) की तादाद अगले पांच सालों में 58.4 फीसदी तक बढ़ने की संभावना है। पिछले साल की तुलना में 2023 में रोल्स रॉयस की कारों की बिक्री लगभग दोगुनी हो गई दक्षिण भारत में इस गाड़ी को सबसे ज्यादा युवाओं ने खरीदा हम रोल्स रॉयस का दक्षिण भारत में स्वागत करने के लिए काफी उत्साहित हैं। यह रोल्स रॉयस के इतिहास का सबसे पसंदीदा मॉडल है, जिसका काफी बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है।'' स्पेक्टर में रोल्स रॉयस की पिछली कारों के सभी

चिरपरिचित फीचर्स शामिल हैं। स्पेक्टर समकालीन डिजाइन, शानदार इंटीरियर और नेक्सट लेवल की इंजीनियरिंग की वजह से अपने आप में सबसे अनोखी कार है। इस कार उन युवाओं और कारोबारी उपभोक्ताओं के दिलोदिमाग पर छाई हुई है, जो अपने लिए सबसे ज्यादा आरामदायक लक्जरी कार चाहते हैं।

रोल्स रॉयस की स्पेक्टर अपने सेगमेंट में एकमात्र ऐसी कार है, जो काफी दुर्लभ है और काफी डिमांड में है। मैं काफी उत्साहित हूं कि मुझे चेन्नई में इस शानदार मोटरकार के प्रदर्शन का अवसर मिला है। यह रोल्स रॉयस के नई इलेक्ट्रिक कारों के युग की बोल्ड शुरुआत होगी। 2021 में, रोल्स रॉयस मोटर कार्स ने ऐतिहासिक घोषणा की, जो रोल्स रॉयस के इतिहास को हमेशा के लिए नया आकार देगी। रोल्स रॉयस ने इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। कंपनी ने अपनी ऑल इलेक्ट्रिक कार स्पेक्टर की घोषणा की। इस कार की उपभोक्ताओं को पहली डिलिवरी 2023 की चौथी तिमाही में की गई। 2030 के अंत तक इसके पोर्टफोलियो में सभी कारें इलेक्ट्रिक हो जाएंगी। रोल्स रॉयल की ऐतिहासिक कहानी में यह महत्वपूर्ण क्षण है। स्पेक्टर का सफर काफी शानदार रहा है। स्पेक्टर 2.5 मिलियन किलोमीटर के सफर को सफलतापूर्वक पूरा कर सबसे कठिन टेस्टिंग प्रोग्राम की कसौटी पर खरी उतरी है। पिछले अक्टूबर में स्पेक्टर को इंग्लैंड में वेस्ट ससेक्स में रोल्स रॉयस के घर से दुनिया भर में लॉन्च किया गया। इस कार के परफॉर्मेंस के प्रति लोगों का रेस्पॉन्स काफी सकारात्मक रहा। इस साल क्लाइंट को कार की पहली डिलिवरी करने से पहले रोल्स रॉयस को 23 जनवरी को दक्षिण भारत के चेन्नई में लॉन्च किया गया। दुनिया की पहली अल्ट्रा लक्जरी इलेक्ट्रिक सुपर कूपे को एक क्षेत्रीय टूर पर समान रूप से उपभोक्ताओं और मीडिया को दिखाया गया।

जियो सिनेमा पर राम जन्मभूमि मंदिरः द रिटर्न ऑफ ए स्प्लेंडिड सन का प्रसारण होगा

मुंबई एजेंसी। जियो सिनेमा पर 25 जनवरी से प्रतिष्ठित डॉक्युमेंट्री राम जन्मभूमि मंदिरः द रिटर्न ऑफ ए स्प्लेंडिड सन का प्रसारण हो रहा है। दिलीप पिरामल और अमीश त्रिपाठी द्वारा प्रस्तुत तथा अनिर्बन भट्टाचार्य और प्रणव चतुर्वेदी द्वारा लिखित, यह डॉक्युमेंट्री दर्शकों को अयोध्या की पवित्र भूमि के इतिहास और उन घटनाओं से रूबरू कराएगी, जो यह क्रांति लेकर आयीं। इस अभिनव डॉक्युमेंट्री में मर्यादा पुरूषोत्तम राम के प्रति विशुद्ध भक्ति भाव से ओत-प्रोत सभ्यता का केंद्र बने उस अजेय शहर में घटी घटनाओं की बारीकियों को दिखाया गया है। यह डॉक्युमेंट्री अमीश त्रिपाठी की नज़र से भगवान राम के जीवन के चित्रण से शुरू होती है, और 16 वीं शताब्दी में उनके मंदिर के विध्वंस की कहानी का खुलासा करती है। इसके बाद की घटनाओं में गहन संघर्षों और ऐतिहासिक निर्णयों, स्थानीय लोगों तथा विभिन्न क्षेत्रों की प्रभावशाली हस्तियों के जानकारीबद्ध क़िस्सों को दिखाया गया है। यह महत्वपूर्ण यात्रा पूरी दुनिया में लाखों लोगों के दिलों में जीवित है।

होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने लॉन्च की नई एनएक्स 500

नई दिल्ली, एजेंसी। होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने आज रु 5,90,000 (एक्सशोरूम, नई दिल्ली) की आकर्षक कीमत पर नई 'एनएक्स500' एडवेंचर टूरर का लॉन्च किया है। नया मॉडल सीबीयू (कम्पलीटली बिल्ट-अप)रूट के माध्यम से भारतीय बाज़ार में उपलब्ध होगा। अपने लोकप्रिय विशेषताओं की धरोहर के साथ इसमें कई अपग्रेड्स और नए स्टाइलिंग फीचर्स लाए गए हैं। 'नई एक्स-ओवर' एनएक्स500 इस तरह से डिज़ाइन की गई है कि यह हर तरह की सड़क पर संतोषजनक अनुभव प्रदान करेगी फिर चाहे मिट्टी से भरे लम्बे रास्ते हों या लम्बी दूरी की रोमांचक राईड। नई एनएक्स500 की बुकिंग शुरू हो चुकी है, इसे बिगविंग डीलरशिप्स के माध्यम से भारत में बेचा जाएगा।

होण्डा की नई प्रीमियम एडवेंचर मोटरसाइकिल पेश करते हुए श्री सुत्सुमु ओतानी, मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रेज़ीडेन्ट एवं सीईओ, होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इंडिया ने कहा, ''आज हम भारत में बहु-प्रतीक्षित एनएक्स500 का लॉन्च कर रहे हैं, यह हमारे लिए बड़ी उपलब्धि है। यह आधुनिक स्ट्रीट एडवेंचर मोटरसाइकिल इनोवेशन के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है और रोमांचक राईड का अनुभव प्रदान करती है। रोज़मर्रा के क्रॉसओवर डिज़ाइन, प्रीमियम टेक्नोलॉजी और लाईवली ट्विन सिलिंडर इंजन के साथ एनएक्स500 उपभोक्ताओं के लिए राईड के अनुभव को नया आयाम देने तथा दोपहिया वाहन पर एडवेंचर का जश्न मनाने के लिए तैयार है।''

सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड बोर्ड ने 8064 मिलियन रुपये की धनराशि जुटाने को मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड (एसटीईएल) (बीएसईः 540642, एनएसई) लार्ज और हैवी स्टील स्ट्रक्चर्स के निर्माण में लगी हुई है, और टेलीकॉम, पावर, रेलवे और अन्य सहित विभिन्न प्रकार के उद्योगों को कस्टमाइज़ स्टील स्ट्रक्चर्स और ईपीसी सॉल्यूशंस देती है। कंपनी ने घोषणा की है कि 25 जनवरी 2024 को आयोजित अपनी बोर्ड मीटिंग में, बोर्ड ने विभिन्न प्रमोटर और नॉन-प्रमोटर एंटिटीज़ को, शेयरहोल्डर्स और अन्य रेगुलरिटी अथॉरिटी के अनुमोदन के अधीन, जैसा भी लागू हो, प्रेफेरेंशिएल बेसिस पर शेयर और कन्वर्टबल वारंट जारी करके 8064 मिलियन रुपये के फंड जुटाने को मंजूरी दे दी है।

नॉन-प्रमोटर ग्रुप कैटेगरी के अंदर नॉर्थ स्टार अपॉर्चुनिटीज़ फंड, एनएवी कैपिटल वीसीसी - एनएवी कैपिटल इमर्जिंग स्टार फंड, कोयस ग्लोबल अपॉर्चुनिटीज़ फंड, एलारा इंडिया अपॉर्चुनिटीज़ फंड आदि को शेयर और/या वारंट इश्यू किए जाएंगे, प्रमोटरों में शशांक अग्रवाल, शलभ अग्रवाल, राघव अग्रवाल और भरत अग्रवाल को वारंट जारी किया जाएगा।

यह प्रस्तावित आवंटन भी प्रत्येक इक्विटी शेयर और जारी किए गए वारंट के लिए संबंधित व्यक्तियों को प्रमोटर और नॉन-प्रमोटर, पब्लिक कैटेगरी से 4:1 के अनुपात में, प्रेफेरेंशिएल बेसिस पर जारी किए जाने वाले इक्विटी शेयर्स और वारंट्स के 4 फुली पैड बोनस शेयर्स के अधिकारी होंगे, क्योंकि प्रेफेरेंशिएल अलॉटमेंट के लिए निर्गम मूल्य कॉर्पोरेट कार्रवाई और रिकॉर्ड तिथि से पहले निर्धारित किया गया है।

इससे पहले, कंपनी को एक कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था, जिसकी कीमत 3,640 मिलियन रुपये थी। यह कॉन्ट्रैक्ट टर्नकी मोड में लॉस रिडक्शन कार्य के एग्जीक्यूशन पर आधारित है। यह कॉन्ट्रैक्ट कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसमें तमिलनाडु के इरोड जिले में पावर इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के उद्देश्य से किए गए व्यापक कार्य शामिल है। अनुबंध के तहत, सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड (एसटीईएल) को फेडर सेग्रीगेशन, हाई वोल्टेज डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम, डबल डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर को अलग करने और 33 केवी लाइन्स के संवर्द्धन की आपूर्ति, निर्माण और स्थापना का काम सौंपा गया है। उपरोक्त अनुबंध ऑर्डर बुक को और मज़बूत करता है और 36 महीनों के भीतर इसके पूरा होने की उम्मीद है, जिससे भारी एबिटा (श्क्क्ष्ढ्ढञ्ज) मार्जिन प्राप्त होगा। ।

ऑर्डर की जीत पर कमेन्ट करते हुए, सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड की प्रबंधन टीम ने कहा कि, हमें एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है जो उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और कटिंग एज इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस देने में हमारी क्षमताओं को रेखांकित करती है।

सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड ने तमिलनाडु जेनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड से 3,640 मिलियन रुपये का एक महत्वपूर्ण ईपीसी अनुबंध हासिल किया है। अनुबंध टर्नकी मोड में हानि कम करने के काम को निष्पादित करने पर केंद्रित है। हम डिज़ाइन और इंजीनियरिंग से लेकर मैन्युफैक्चरिंग, टेस्टिंग, सप्लाई, निर्माण और फेडर सेग्रीगेशन के इंस्टॉलेशन, हाई वोल्टेज डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम, डबल डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर को अलग करने और 33 केवी लाइनों के विस्तार तक प्रोजेक्ट के हर पहलू को संभालेंगे। परियोजना को क्रमिक चरणों में क्रियान्वित किया जाएगा।

2006 में इनकॉरपोरेटेड, सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड भारत में अनुकूलित स्टील फैब्रिकेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर सॉल्यूशंस प्रदाता है।

डीपीएमआई में वोकेशनल कोर्स के लिए आवेदन शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (डीपीएमआई) में 5 वोकेशनल कोर्सेस के लिए आवेदन मांगे जा रहे हैं। दिल्ली के न्यू अशोक नगर स्थित डीपीएमआई की प्रिंसिपल डॉ.अरूणा सिंह ने बताया कि आजकल युवाओं में व्यावसायिक शिक्षा को लेकर आकर्षण बढ़ गया है। इसी को देखते हुए डीपीएमआई अलग-अलग तरह के पांच वोकेशनल कोर्स चला रहा है। इन कोर्सेस के माध्यम से छात्रों को ऐसे कौशल सिखाए जाते हैं, जिनकी उन्हें नौकरी के दौरान जरूरत होती है। डीपीएमआई द्वारा संचालित बैचलर ऑफ वोकेशन (बी वोक) प्रोग्राम के तहत पांच वोकेशनल कोर्स में एडमिशन लिए जा रहे हैं।

इनमें होटल मैनेजमेंट, लैब टेक्नीशियन, मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नीशियन, रेडियोलॉजी और मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी, ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी के

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में भारतीय टीम को 28 रनों से हराया

– प्लेयर ऑफ द मैच : ओली पोप

हैदराबाद (एजेंसी)। ओली पोप की शतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड ने पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम को 28 रनों से हरा दिया। इस प्रकार पांच मैचों की इस टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड ने 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। मैच में ओली पोप की 196 रन की पारी ने मेहमान टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस मैच में इंग्लैंड ने भारतीय टीम को जीत के लिए 231 रनों का लक्ष्य दिया जिसका पीछा करते हुए भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में 202 रनों पर ही आउट हो गयी। भारतीय टीम की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 15 रन पर आउट हुए जबकि शुभमन गिल अपना खाता भी नहीं खोल पाये। कप्तान रोहित शर्मा ने 39 रन बनाये। केएल राहुल 22 रन बनाकर जबकि अक्षर पटेल 17 रन बनाकर आउट हुए। आर अश्विन और केएस भरत के आउट होते ही भारतीय टीम हार गयी। इंग्लैंड की ओर से टॉम हार्टले ने शुरुआती तीनों विकेट लेकर भारतीय टीम की बल्लेबाजी को दबाव में ला दिया जिससे वह अंत तक नहीं उबर पायी।

इससे पहले आज सुबह ओली पोप के शानदार शतक से इंग्लैंड ने यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए चौथे दिन 231 रनों का कठिन लक्ष्य दिया है। पहली पारी में पीछे होने के बाद मेहमान टीम इंग्लैंड दूसरी पारी में ओली के शतक से संभल गयी और उसने 420 रन बनाये। ओली ने 196 रन बनाये।

इंग्लैंड की टीम ने इस मैच में जबरदस्त वापसी दिखायी। इस मैच में मेहमान टीम ने पहली पारी में बेन स्कोक्स के अर्धशतक के बाद भी केवल 246 रन बनाये थे। वहीं भारतीय टीम ने यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा के अर्धशतकों से 436 रन बनाये। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर भारतीय टीम को 190 रनों की अच्छी खासी बढ़त मिल गयी थी।

वहीं दूसरी पारी में इंग्लैंड की आधी टीम बेहद कम रनों पर ही पेवेलियन लौट गयी। इसके बाद ओली ने साहसिक पारी खेलकर सभी को हैरान कर दिया। ओली ने 21 चौके लगाकर 196 रन बनाये। 21 चौके से सजी इस पारी की बदौलत इंग्लैंड दूसरी पारी में 420 रन तक पहुंच गयी। भारतीय टीम के पास पहली पारी के आधार पर 190 रनों की बढ़त थी ऐसे में उसे जीत के लिए 231 रन बनाने हैं।

भारत की ओर से दूसरी पारी में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए केवल 41 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं पहली पारी में तीन विकेट लेने वाले आर अश्विन ने दूसरी पारी में भी तीन विकेट लिए। वहीं दूसरी पारी में रवींद्र जडेजा ने दो विकेट लिए। पहली पारी में जडेजा ने तीन विकेट लिए थे।

रिदम और उज्जवल ने जीता 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में गोल्ड

काहिरा (एजेंसी)। भारत के रिदम सांगवान और उज्ज्वल मलिक ने आईएसएसएफ विश्व कप 2024 में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय निशानेबाजी टीम ने आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में अर्मेनियाई जोड़ी एल्मिरा करापेटियन और बेनिक खलघटयान को 17-7 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

वहीं कजाकिस्तान की इरिना यूनुसमेतोवा और वेलेरी राखिमजान ने इटली की चियारा जियानकामिली-फेडेरिको निलो मालदिनी की जोड़ी को 16-8 से हराकर कांस्य पदक जीता। क्वालीफिकेशन राउंड में भारतीय जोड़ी ने 580 का स्कोर बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि करापेटियन-खलघटयान 581 अंकों के साथ 24 निशानेबाज़ों के बीच में शीर्ष पर रहे।

मनु भाकर और रविंदर सिंह ने आठवें स्थान के लिए 575 का स्कोर हासिल किया और मेडल राउंड में जगह नहीं बना सके। मनु भाकर ने भी शुक्रवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत राउंड में निराशाजनक प्रदर्शन किया और 18वें स्थान पर रहने के बाद फाइनल में जगह बनाने में असफल रहीं। इस बीच, अर्जुन बाबुता और सोनम मास्कर को

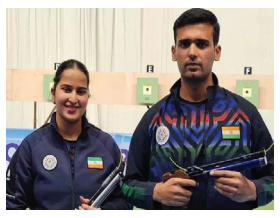

10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक मैच में ग्रेट ब्रिटेन के सियोनैड मैकिन्टोश और डीन बेल से 16-14 से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इससे पहले, अर्जुन बाबुता और सोनम मास्कर ने 38-टीम क्वालीफाइंग राउंड में 632.3 का स्कोर बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया था। नैंसी और पूर्व विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल 627.4 के स्कोर के साथ 20वें स्थान पर रहे। अनुराधा देवी ने शुक्रवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीता था। एक स्वर्ण पदक और दो रजत पदक के साथ भारत आईएसएसएफ विश्वकप के पहले चरण में शीर्ष पर है। कजाकिस्तान, स्पेन, यूनान, ब्रिटेन और दक्षिण कोरिया ने भी एक-एक स्वर्ण जीता है, लेकिन रजत पदक कम मिले हैं। पुरुष और महिला ट्रैप स्पर्धा में कोई भी भारतीय निशानेबाज मेडल राउंड में नहीं पहुंच सका।

बोपन्ना सबसे अधिक उम्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने

मेलबर्न (एजेंसी)। भारत के रोहन बोपन्ना ने 43 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष युगल टेनिस खिताब जीता है। इसी के साथ ही वह सबसे अधिक उम्र में ये खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। बोपन्ना ने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन के साथ मिलकर ये खिताब जीता। दूसरी वरीयता प्राप्त बोपन्ना और एबडेन ने इटली के सिमोन बोलेली और एंड्रिया ववासोरी को 7-6(0), 7-5 से हराया। बोपन्ना ने इसी के साथ ही अपना पहला ग्रैंड स्लैम पुरुष युगल खिताब जीतने का लक्ष्य भी हासिल कर लिया है। बोपन्ना और एबडेन ने एक घंटे, 40 मिनट तक चले मुकाबले के बाद ये जीत दर्ज की। उन्होंने और एबडेन ने अहम चरणों में अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस प्रदर्शन किया। इस जोड़ी ने पहले सेट के टाई-ब्रेक में वापसी करते हुए जबरदस्त बढ़त दर्ज की वहीं इससे पहले 11वें गेम में दूसरे सेट में अहम ब्रेक भी हासिल किया । बोपन्ना और एबडेन ने हार्ड-कोर्ट मेजर में खेले गए सभी सात टाई-ब्रेक जीते। जीत के बाद बोपन्ना और एबडेन बेहद उत्साहित दिखे। यह पहली बार है जब बोपन्ना ने कोई बड़ा पुरुष युगल खिताब जीता है।

इससे पहले वह साल 2010 और 2023 में अमेरिकी ओपन के फाइनल में हार गए थे। बोपन्ना ओपन युग में एक बड़ा पुरुष युगल खिताब जीतने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। वह अब एटीपी युगल रैंकिंग में सबसे अधिक उम्र में खिताब जीतने के मामले में नंबर एक खिलाड़ी बन गये हैं। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष युगल का खिताब जीतने वाले 28वें ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं। बोपन्ना ने इससे पहले साल 2017 में फ्रेंच ओपन में गैब्रिएला डाब्रोव्स्की के साथ मिश्रित युगल खिताब जीता था। वहीं उनके जोड़ीदार एबडेन ने अब तब दो पुरुष युगल खिताब जीते हैं। उन्होंने साल 2022 में मैक्स परसेल के साथ विंबलडन जीता है। बोपन्ना लिएंडर पेस, भूपति और मिर्जा के बाद ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले कुल मिलाकर चौथे भारतीय खिलाड़ी हैं।

वेस्टइंडीज ने रचा इतिहास,

27 साल बाद टेस्ट में आस्ट्रेलिया को उसी की सरजमीं पर हराया, श्रृंखला भी 1-1 से बराबरी की

ब्रिसबेन (एजेंसी)। शामार जोसेफ के सात विकेट की मदद से वेस्टइंडीज ने गाबा पर दिन रात का टेस्ट जीता जो आस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट में 27 साल बाद मिली जीत है। जोसेफ को वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में मिचेल स्टार्क का यॉर्कर लगा था और उन्हें मैदान से जाना पड़ा था। उन्होंने गेंदबाजी में कमाल दिखाते हुए 68 रन देकर सात विकेट लिये और आस्ट्रेलिया को 207 रन पर आउट कर दिया। सलामी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ 146 गेंद में 91 रन बनाकर नाबाद रहे। एडीलेड में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 24 वर्ष के जोसेफ 11वें नंबर के बल्लेबाज जोश हेजलवुड का विकेट लेते ही खुशी के मारे उछल पड़े। वेस्टइंडीज ने एडीलेड टेस्ट तीन दिन के भीतर दस विकेट से गंवाने के बाद वापसी करके श्रृंखला में 1-1 से बराबरी की।

वाका पर 1997 में दस विकेट से जीत दर्ज करने के बाद से वेस्टइंडीज ने आस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच नहीं जीता है। कैमरन ग्रीन और स्मिथ ने216 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पहले घंटे में आस्ट्रेलिया को दो विकेट पर 60 रन तक पहुंचाया। जोसेफ ने लगातार दस ओवर डालते हुए पहले स्पैल में 60 रन देकर छह

विकेट लिये। उस समय आस्ट्रेलिया को जीत के लिये 29 रन की जरूरत थी और उसके दो विकेट बाकी थे। जोसेफ ने ग्रीन (42) को आउट करके 71 रन की साझेदारी तोड़ी।

इसके बाद अगली यॉर्कर पर ट्रेविस हेड को पवेलियन भेजा। मिचेल मार्श (10) और एलेक्स कारी (दो) भी टिक नहीं सके। स्टार्क ने 21 रन बनाये लेकिन कवर में केविन सिनक्लेयर को कैच देकर जोसेफ का पांचवां शिकार बने। वहीं पहली पारी में नाबाद 64 रन बनाने वाले पैट कमिंस दो रन बनाकर आउट हो गए। जोसेफ ने नाथन लियोन को डिनर ब्रेक के बाद आउट किया। स्मिथ ने जोसेफ को फाइन लेग पर छक्का लगाकर लक्ष्य एक अंक का कर दिया लेकिन हेजलवुड का आफ स्टम्प उखाड़कर जोसेफ ने वेस्टइंडीज को जीत दिलाई।

27 साल बाद वेस्टइंडीज को ऑस्ट्रेलिया में मिली जीत पर भावुक हुए लारा

गाबा। शमर जोसेफ की घातक गेंदबाजी से वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में 8 रन से हरा दिया। शमर ने सात विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसे दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलियाई टीम 216 रनों के लक्ष्य का पीछा नहीं कर पायी और 207 रनों पर ही आउट हो गयी। वेस्ट इंडीज को ऑस्ट्रेलिया में 27 साल बाद मिली जीत पर वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा भी भावुक हो गये। लारा का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें उनकी आंखों में आंसू नजर आये। लारा ने खुशी में कमेंट्री बॉक्स में अपने साथी कमेंटेटर एडम गिलक्रिस्ट को गले लगा लिया। शमर ने जैसे ही ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड का विकेट लिया टीम को जीत मिल गयी।

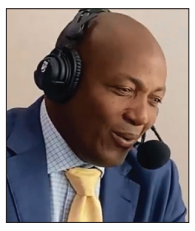

लारा ने मैच देखकर इस जीत को अविश्वसनीय बताया। साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया को ऑस्ट्रेलिया में हराने में 27 साल लग गए। युवा अनुभवहीन क्रिकेटरों को बेकार माना गया पर उन्होंने कमाल कर दिया। इससे उम्मीद है कि यह वेस्टइंडीज टीम अब मजबूती से खड़ी हो सकती है। वेस्टइंडीज क्रिकेट आज मजबूती से खड़ा हो सकता है। आज वेस्टइंडीज क्रिकेट में एक बड़ा दिन है। बधाई हो, हर एक को बधाई। वहीं जब वेस्टइंडीज के क्रिकेटर गाबा में विजय यात्रा के लिए निकले तो लारा भावनाओं से भर गए। इस मैच ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ की नाबाद 91 रन की पारी भी उनकी टीम को बचा नहीं पायी।

रोहित भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले चौथे क्रिकेटर बने

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि हासिल कर ली है। रोहित भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले चौथे क्रिकेटर बन गए हैं। रोहित इसी के साथ ही पूर्व कप्तान सौरव गांगुली से आगे निकल गये।

रोहित ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में पहली पारी में 24 रन बनाये और इसी के साथ ही उनके कुल रन 18,444 हो गये।

रोहित ने 43.34 के औसत से 467 मैचों में ये रन बनाये हैं। भारतीय कप्तान ने इस दौरान 46 शतक भी लगाए। इससे पहले गांगुली ने भारतीय टीम की ओर से 18,433 रन बनाए थे। वहीं भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में पहले तीन स्थानों पर सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और राहुल द्रविड़ हैं। सचिन ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 664 मैच खेलकर सबसे अधिक 34,357 रन बनाए हैं। उन्होंने इस दौरान रिकॉर्ड 100 शतक भी लगाए हैं। वहीं विराट ने 522 मैचों में 26,733 रन बनाए हैं और वह दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने अब तक 80 शतक लगाये हैं जबकि द्रविड़ तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 509 मैच में 24,208 रन बनाए हैं।

रोहित को शीर्ष-3 में पहुंचने द्रविड़ को पीछे छोड़ना होगा। द्रविड़ और रोहित के बीच तकरीबन 6000 रन का बड़ा अंतर है ओर ये आंकडा हासिल करना बेहद कठिन है।

एफआईएच हॉकी5एस महिला विश्वकप: फाइनल में हारा भारत, नीदरलैंड बना चैंपियन

मस्कट (एजेंसी)। नीदरलैंड की महिला टीम ने एफआईएच हॉकी5एस महिला विश्व कप 2024 के फाइनल में भारतीय महिला टीम को हराकर चैंपियनशिप जीत ली है। शनिवार को यहां खेले गए फाइनल में मुकाबले में भारतीय महिला हॉकी टीम को नीदरलैंड से 2-7 से हार का सामना करना पड़ा।

मैंच की शुरुआत में नीदरलैंड की जेनेके वान डी वेने ने एक लंबा शॉट खेलते हुए गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई और इसके कुछ ही देर बाद बेन्टे वान डेर वेल्ट ने एक और गोल दागकर नीदरलैंड की बढ़त दोगुनी दिया। नीदरलैंड के खिलाड़ियों द्वारा किये गये चार और गोल की बदौलत पहले हॉफ में स्कोर 6-0 रहा। नीदरलैंड के लिए जेनेके वान डी वेने ने दूसरे और 14वें मिनट में, बेन्टे वान डेर वेल्ट ने चौथे और आठवें मिनट में, लाना कालसे ने 11वें, 27वें और सोशा बेनिंगा ने 13वें ने गोल किए।

दूसरे हाफ में ज्योति छत्री ने गोलकर भारत का खाता खोला। इसके बाद रुतुजा दादासो पिसल ने 23वें मिनट में गोलकर स्कोर 6-2 कर दिया। वहीं भारत की ओर से ज्योति छत्री ने 20 वें मिनट में और रुतुजा दादासो पिसल ने 23वें मिनट में गोल किये। नीदरलैंड की लाना कालसे ने 27वें मिनट में एक और गोलकर मैच 7-2 स्कोर के साथ समाप्त कर दिया।

रोहित शर्मा की युवा क्रिकेटरों को सलाह, विराट कोहली से 'ये' गुण सीखें

मुम्बई । भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने सीनियर भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। शर्मा ने कहा है कि भारत के पूर्व कप्तान से न केवल मैदान के अंदर बल्कि बाहर भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। जियो सिनेमा पर दिनेश कार्तिक से बात करते हुए शर्मा ने कोहली की प्रतिभा के बारे में विस्तार से बताया और बताया कि युवाओं को सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक से क्या सीखने की जरूरत है इस पर भी प्रकाश डाला। रोहित ने कहा, 'विराट कोहली अपने पूरे करियर में कभी भी एनसीए नहीं गए हैं। मैं कहूंगा कि सभी युवा खिलाड़ियों को उनके जुनून को देखना चाहिए। वह कवर ड्राइव, पिलक, कट कैसे खेलते हैं, इसकी बात छोड़ दें, लेकिन सबसे पहले आपको यह करना होगा, समझें कि खिलाड़ियों की गुणवत्ता क्या है जो उन्हें आज इस मुकाम पर पहुंचाती है।' शर्मा ने बताया कि कुछ बदलाव हैं जो एक व्यक्ति को अंदर से करने की जरूरत है और युवाओं के लिए उन्होंने सलाह दी कि वे विराट कोहली को देख सकते हैं और उसके अनुसार अपना दृष्टिकोण और तरीके बदल सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने कोहली को काफी देखा है। उसने जो हासिल किया है उससे वह आसानी से संतुष्ट हो सकता है। वह कह सकता है कि मैं इन 2-3 श्रृंखलाओं में इसे आसानी से ले लूंगा, मैं बाद में आऊंगा, लेकिन वह हमेशा टीम के लिए मौजूद है। वह मानसिकता भूखा रहना और आत्मसंतुष्ट न रहना सिखाया नहीं जा सकता। आपको यह दूसरों को देखकर सीखना होगा। यह भीतर से आनी चाहिए। मैं आपको यह नहीं सिखा सकता।'

मैच फिक्सिंग के आरोपों को शोएब मलिक ने किया सिरे से खारिज

ढाका (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शोएब मलिक ने मैच फिक्सिंग के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन पर बांग्लादेश प्रीमियर लीग में मैच फिक्सिंग के आरोप लगाने के साथ ही फोरच्यून बारिशल टीम के साथ अनुबंध खत्म होने का दावा भी किया जा रहा है। इसके बाद सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों के अनुसार मैच फिक्सिंग के संदेह के कारण ही फ्रेंचाइजी ने मलिक का अनुबंध खत्म कर दिया है। 22 जनवरी को खुलना टाइगर्स के खिलाफ एक मैच के दौरान शुरूआती ओवर में तीन नोबॉल फेंके जाने के बाद यह दावा सामने आया है। इन आरोपों के बावजूद मलिक ने फ्रेंचाइजी के लिए एक और मैच खेला जिसके बाद बीपीएल 2024 का ढाका चरण समाप्त हुआ। इधर मलिक ने अपने 'एक्स अकाउंट पर लिखा- जब बात अफवाहों की हो तो मैं सतर्कता बरतने की महत्ता पर जोर देना चाहता हूं, विशेषकर हाल में जो अफवाहें चल रही हैं। उन्होंने कहा- मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं इन आधारहीन अफवाहों का खंडन करता हूं। सभी के लिए किसी भी जानकारी पर विश्वास करना और इस फैलाने से पहले जांच करना बहुत महत्वपूर्ण है। मलिक ने लिखा- झूठ से प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच सकता है और इससे गैर जरूरी भ्रम पैदा होता है। सच्चाई को प्राथमिकता दें और तथ्यों की समझ सुनिश्चित करने के लिए विश्वसनीय सूत्रों पर ही भरोसा करें।

इसके साथ ही सोएक मलिक ने टीम के कप्तान तमीम इकबाल के साथ हुई चर्चा को भी स्पष्ट किया और कहा कि उन्होंने साथ मिलकर दुबई में एक मीडिया कार्यक्रम के

लिए बांग्लादेश से उनकी अस्थायी रवानगी की योजना बनायी है।

जयसवाल, राहुल और जडेजा ने बनाया यूनीक रिकॉर्ड, 92 साल में पहली बार

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने हैदराबाद के मैदान पर इंगलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन 436 रन बनाकर 190 रन की महत्वपूर्ण लीड हासिल कर ली है। भारतीय टीम की ओर से यशस्वी जयसवाल 80, केएल राहुल 87 और रवींद्र जड़ेजा 80 से ज्यादा रन बनाने में सफल रहे। तीनों बल्लेबाजों ने मिलकर एक यूनीक रिकॉर्ड भी बना दिया। दरअसल, भारत की ओर से तीन बल्लेबाजों द्वारा 80 से ज्यादा रन बनाकर आऊट होने का यह पहला मुकाबला है। भारतीय टीम को टेस्ट क्रिकेट खेलते 92 साल हो गए हैं। इससे पहले कभी ऐसा नहीं देखा गया था। हैदराबाद के मैदान पर

इंगलैंड ने दूसरी पारी में अपनी स्थिति मजबूत कर 126 रन की लीड ले ली है। इंगलैंड को पहली पारी को 246 रन पर रोककर भारतीय टीम ने जायसवाल, केएल राहुल और रविंद्र जडेजा की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 436 रन बनाए थे। भारत के पास 190 रन की लीड थी। लेकिन इंगलैंड ने दूसरी पारी में शानदार बल्लेबाजी की। खास तौर पर ओली पोप ने 208 गेंदों पर 148 बनाए और स्कोर 316 तक ले गए। इंगलैंड के पास लीड है और वह चौथे दिन इसे और मजबूत करना चाहेगा।

पूरी तरह से फिट दीपक चाहर की निगाहें टी20 विश्व कप पर

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज दीपक चाहर व्यक्तिगत तौर पर चुनौतीपूर्ण दौर के कारण कुछ मुकाबलों में नहीं खेल पाए लेकिन अब वह वापसी को तैयार हैं और उनकी निगाहें इस साल के अंत में होने वाले टी20 विश्व कप पर लगी हुई हैं। पिता के 'ब्रेन स्ट्रोक' के कारण वह दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के भारत दौरे और फिर इसके बाद अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भी नहीं खेल पाए। चाहर ने कहा, 'मैं अपने पिता की वजह से ही यहां हूं, जो भी मैंने हासिल किया है वो अपने पिता की वजह से ही हासिल किया। इस हालत में अगर उनके पास नहीं हूं तो मैं कैसा बेटा हूं?' उन्होंने कहा, 'अगर यह श्रृंखला भारत में होती तो मैं निश्चित रूप से खेलने की कोशिश करता क्योंकि अगर जरूरत होती तो मैं चार-पांच घंटे में अस्पताल पहुंच सकता था। लेकिन दक्षिण अफ्रीका से दो तीन दिन वापस आने में लगते। तो मेरे लिए आसान फैसला अपने पिता के साथ रहने का था, कोई भी बेटा ऐसा करेगा।'

चाहर ने कहा कि उन्हें फिटेनस संबंधित वर्कआउट के अलावा ट्रेनिंग का ज्यादा समय नहीं मिला तो वह तैयारी के लिए एनसीए में चले गये क्योंकि उनकी निगाहें भारत की टी20 विश्व कप टीम में जगह बनाने पर लगी हैं। उन्होंने कहा, 'मैं 25 दिन तक अपने पिता के साथ अस्पताल में था। वह आगरा में नहीं अलीगढ़ में थे। हम सभी को उनके साथ वहीं रूकना था। मैं बस कुछ व्यायाम ही कर पाता था। मैं कोई भी क्रिकेट गतिविधि नहीं कर रहा था इसलए मैं अफगानिस्तान श्रृंखला के लिए तैयार नहीं था। मैंने एक महीने से अभ्यास नहीं किया था।'

उन्होंने कहा, 'मैं एनसीए गया और अभ्यास शुरू किया। मैं अब पूरी तरह फिट हूं। सब ठीक है और मैंने आईपीएल और विश्व कप के लिए कड़ी ट्रेनिंग की है।' चाहर ने कहा, 'मैं चोटों के कारण दो टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाया। अगर मैं पूरी तरह फिट होता तो मैं विश्व कप टीम का भी हिस्सा होता। किसी भी टीम संयोजन में हमेशा ऐसे गेंदबाज की जरूरत होती है तो जो सातवें, आठवें और नौवें नंबर पर बल्लेबाजी कर सके। मैंने ऐसा किया है और भारतीय टीम के लिए रन बनाए हैं।' चाहर का महेंद्र सिंह धोनी से विशेष लगाव है और उनका कहना है कि उनके करियर को निखारने और इसे लंबा करने में चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान का ही हाथ है। वह नहीं चाहते हैं कि यह महान क्रिकेटर संन्यास ले बल्कि उन्हें दो तीन साल और खेलना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे उनके (धोनी) साथ सहज होने में दो तीन साल लगे, मैं उन्हें बड़ा भाई मानता हूं और वह भी मुझसे छोटे भाई की तरह बर्ताव करते हैं।' चाहर ने कहा, 'लॉकडाउन के समय में हमने साथ में काफी पबजी खेला। हमने काफी गेम खेले। मैं भाग्यशाली हूं कि उनसे इतना कुछ सीखा। मैं कहूंगा कि उनकी वजह से ही मुझे भारत के लिए खेलने का मौका मिला क्योंकि इससे पहले उन्होंने 2018 आईपीएल में सभी 14 मैच खेलने का बड़ा मौका दिया था।' धोनी पिछले एक साल से घुटने की चोट से जूझ रहे हैं। चाहर का कहना है कि उन्हें अपने करियर के इस पड़ाव पर चेन्नई सुपरकिंग्स की अतिरिक्त जिम्मेदारी लेने से बचना चाहिए और अपने खेल का लुत्फ उठाना चाहिए।

विष्णु के ऋषि अवतार

नर और नारायण

भगवान विष्णु ने धर्म की पत्नी रुचि के माध्यम से नर और नारायण नाम के दो ऋषियों के रूप में अवतार लिया। वे जन्म से तपोमूर्ति थे, अतः जन्म लेते ही बदरीवन में तपस्या करने के लिये चले गये। उनकी तपस्या से ही संसार में सुख और शांति का विस्तार होता है। बहुत से ऋषि मुनियों ने उनसे उपदेश ग्रहण करके अपने जीवन को धन्य बनाया। आज भी भगवान नर नारायण निरन्तर तपस्या में रत रहते हैं। इन्होंने ही द्वापर में श्रीकृष्ण और अर्जुन के रूप में अवतार लेकर पृथ्वी का भार हरण किया था।

एक बार इनकी उग्र तपस्या को देखकर देवराज इंद्र ने सोचा कि ये तप के द्वारा मेरे इंद्रासन को लेना चाहते हैं, अतः उन्होंने इनकी तपस्या को भंग करने के लिए कामदेव, वसंत तथा अप्सराओं को भेजा। उन्होंने जाकर भगवान नर नारायण को अपनी नाना प्रकार की कलाओं के द्वारा तपस्या से च्युत करने का प्रयास किया, किंतु उनके ऊपर कामदेव तथा उसके सहयोगियों का कोई प्रभाव न पड़ा। कामदेव, वसंत तथा अप्सराएं शाप के भय से थर थर कांपने लगे। उनकी यह दशा देखकर भगवान नर नारायण ने कहा- ,तुम लोग तनिक भी मत डरो। हम प्रेम और प्रसन्नता से तुम लोगों का स्वागत करते हैं।

भगवान नर नारायण की अभय देने वाली वाणी को सुनकर काम अपने सहयोगियों के साथ अत्यन्त लज्जित हुआ। उसने उनकी स्तुति करते हुए कहा- प्रभो! आप निर्विकार परम तत्व हैं। बड़े बड़े आत्मज्ञानी पुरुष आपके चरण कमलों की सेवा के प्रभाव से कामविजयी हो जाते हैं। देवताओं का तो स्वभाव ही है कि जब कोई तपस्या करके ऊपर उठना चाहता है, तब वे उसके तप में विघ्न उपस्थित करते हैं। काम पर विजय प्राप्त करके भी जिन्हें क्रोध आ जाता है, उनकी तपस्या नष्ट हो जाती है। परंतु आप तो देवाधिदेव नारायण हैं। आपके सामने भला ये काम क्रोधादि विकार कैसे फटक सकते हैं? हमारे ऊपर आप अपनी कृपादृष्टि सदैव बनाये रखें। हमारी आपसे यही प्रार्थना है।

कामदेव की स्तुति सुनकर भगवान नर नारायण परम प्रसन्न हुए और उन्होंने अपनी योगमाया के द्वारा एक अद्भुत लीला दिखायी। सभी लोगों ने देखा कि साक्षात लक्ष्मी के समान सुंदर सुंदर नारियां नर नारायण की सेवा कर रही हैं। नर नारायण ने कहा- तुम इन स्त्रियों में से किसी एक को मांगकर स्वर्ग में ले जा सकते हो, वह स्वर्ग के लिए भूषण स्वरूप होगी। उनकी आज्ञा मानकर कामदेव ने अप्सराओं में सर्वश्रेष्ठ अप्सरा उर्वशी को लेकर स्वर्ग के लिए प्रस्थान किया। उसने देवसभा में जाकर भगवान नर नारायण की अतुलित महिमा से सबको परिचित कराया, जिसे सुनकर देवराज इंद्र चकित और भयभीत हो गये। उन्हें भगवान नर नारायण के प्रति अपनी दुर्भावना और दुष्कृति पर विशेष पश्चाताप हुआ।

भगवान नर नारायण के लिये यह कोई बड़ी बात नहीं थी। इससे उनके तप के प्रभाव की अतुलित महिमा का परिचय मिलता है। उन्होंने अपने चरित्र के द्वारा काम पर विजय प्राप्त करके क्रोध के अधीन होने वाले और क्रोध पर विजय प्राप्त करके अभिमान से फूल जाने वाले तपस्वी महात्माओं के कल्याण के लिए अनुपम आदर्श स्थापित किया।

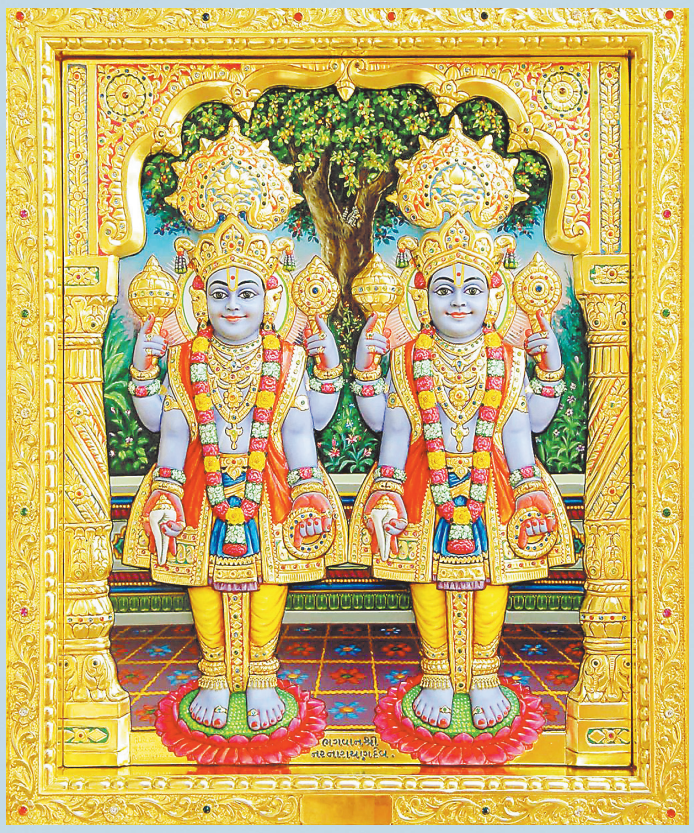

महामृत्युंजय मंत्र की महिमा

ओम त्रयम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारुकमिव बन्धनात् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।

महामृत्यंजय मंत्र काफी असरकारी माना जाता है। इसका यदि शुद्ध उच्चारण किया जाए तो मृत्यु को दूर किया जा सकता है। यह बात इस कथा से स्पष्ट होती है। दर्शाण देश (वर्तमान मध्य प्रदेश के उत्तर पूर्व का एक भाग) के राजा वज्रबाहु की सुमति नाम की एक रानी थी। एक बार जब वह गर्भवती थी, तब उसकी सपत्नियों उसे विष दे दिया। भगवत कृपा से उसका गर्भस्थ भ्रूण विनष्ट नहीं हो पाया किंतु वह व्रणयुक्त हो गया। जिससे जो बालक उत्पन्न हुआ, उसका शरीर व्रण से भरा था। दोनों मां-बेटे के शरीर घावों से भर गये।

राजा ने अनेकों प्रकार के उपचार किये, परंतु कुछ भी लाभ न होते देख निराश हो सुमति से द्वेष रखने वाली अन्यान्य स्त्रियों की सलाह से, रानी सुमति को उसके बच्चे के साथ वन में छुड़वा दिया। वह वहां छोटी सी कुटिया बनाकर रहने लगी। वन में सुमति को दुरूसह कष्ट होने लगे, शरीर की पीड़ा से उसे बार-बार मूर्च्छा आने लगी, उसके बालक को तो पहले ही काल ने कवलित कर लिया।

उसे जब चेतना आयी तो वह बहुत ही कातरभाव से भगवान शंकर से प्रार्थना करने लगी- हे प्रभो! आप सर्वव्यापक हैं, सर्वज्ञ हैं, दीन-बन्धु-दु:खहारी हैं, मैं आपकी शरण हं, अब मुझे एकमात्र आपका ही अवलम्बन है। उसकी इस कातरवाणी को सुनते ही करुणामय आशतोष का आसन डोल उठा। शीघ्र ही शिवयोगी वहां प्रकट हुए और उन्होंने सुमति को मृत्युंजय मंत्र का जप करने को कहा और अभिमंत्रित भस्म को उसकी तथा उसके बच्चे की देह में लगा दिया। भस्म के स्पर्श मात्र से ही उसकी सारी व्यथा दूर हो गयी और बालक भी प्रसन्नमुख हो जी उठा। सुमति ने शिवयोगी की शरण ली। शिवयोगी ने बालक का नाम भद्रायु रखा।

सुमति और भद्रायु दोनों मृत्युंजय मंत्र का जाप करने लगे और इधर राजा वज्रबाहु को अपनी निर्दोष पत्नी और अबोध बालक को व्यर्थ कष्ट पहुंचाने का दुष्परिणाम भी भुगतना पड़ा। उसके राज्य को शत्रुओं ने अपहृत कर राजा को बंदीगृह में डाल दिया।

एक दिन भद्रायु के मंत्र जप से प्रसन्न हो शिवयोगी पुनः प्रकट हुए। उन्होंने एक खड्ग और एक शंख दिया तथा बारह हजार हाथियों का बल देकर वे अर्न्तध्यान हो गये। भद्रायु ने अपने पिता के शत्रुओं पर आक्रमण कर उन्हें मार डाला और पैतृक राज्य को अधिकृत कर पिता को बंदीगृह से मुक्त किया। उसका यश चारों और फैल गया। चित्रांगद और सीमन्तिनी ने अपनी कन्या कीर्तिमालिनी का विवाह भद्रायु के साथ कर दिया।

भद्रायु ने शिवपूजा करते हुए सहस्त्रों वर्षों तक सुखपूर्वक प्रजा को सुख-शांति पहुंचाते हुए अविचल राज्य किया और अंत में शिवसायुज्य को प्राप्त हुआ। यह मृत्युंजय मंत्र के जप का लोकोत्तर माहात्मय है।

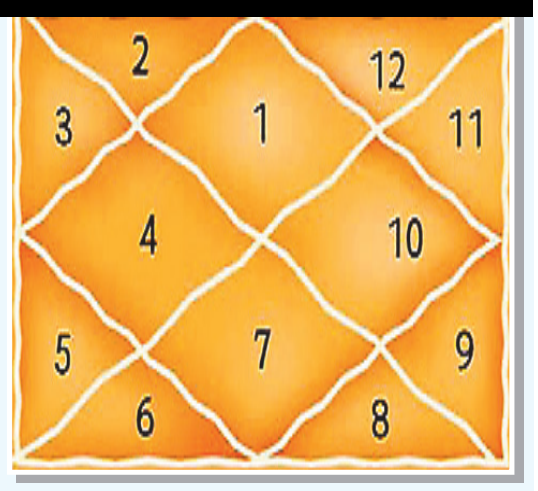

भारतीय ज्योतिष पर क्या कहते हैं विदेशी विद्वान

भारतीय ज्योतिष को प्राचीन और मौलिक केवल भारतीय विद्वान ही सिद्ध नहीं करते, अपितु अनेक भारतीय विद्वानों ने भी इसकी प्राचीनता स्वीकार की है। यहां कुछ विद्वानों के मत प्रस्तुत है-

1. अलबरूनी ने लिखा है कि ज्योतिष शास्त्र में हिन्दू लोग संसार की सभी जातियों से बढ़कर हैं। मैंने अनेक भाषाओं के अंकों के नाम सीखे हैं, पर किसी जाति में भी हजार से आगे की संख्या के लिए मुझे कोई नाम नहीं मिला। हिन्दुओं में 18 अंकों तक की संख्या के लिए नाम हैं जिनमें अंतिम संख्या का नाम परार्ध बताया गया है।
2. प्रो. मैक्समूलर ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि भारतवासी आकाशमंडल और नक्षत्रमंडल आदि के बारे में अन्य देशों के ऋणी नहीं हैं। इन वस्तुओं के मूल आविष्कर्ता वे ही हैं।
3. फ्रांसीसी पर्यटक फ्राक्वीस वर्नियर भी भारतीय ज्योतिष-ज्ञान की प्रशंसा करते हुए लिखते हैं कि भारतीय अपनी गणना द्वारा चंद्रग्रहण और सूर्यग्रहण की बिलकुल ठीक भविष्यवाणी करते हैं। इनका ज्योतिष ज्ञान प्राचीन और मौलिक है।
4. फ्रांसीसी यात्री टरवीनियर ने भी भारतीय ज्योतिष की प्राचीनता और विशालता से प्रभावित होकर कहा है कि भारतीय ज्योतिष ज्ञान प्राचीनकाल से ही अतीव निपुण हैं।
5. इन्साइक्लोपीडिया ऑफ ब्रिटैनिका में लिखा है कि इसमें कोई संदेह नहीं कि हमारे (अंग्रेजी) वर्तमान अंक-क्रम की उत्पत्ति भारत से है। संभवतः खगोल-संबंधी उन सारणियों के साथ जिनको एक भारतीय राजदूत ईस्वीं सन् 773 में बगदाद में लाया, इन अंकों का प्रवेश अरब में हुआ। फिर ईस्वीं सन् की 9वीं शती के प्रारंभिक काल में प्रसिद्ध अबुजफर मोहम्मद अल् खारिज्मी ने अरबी में उक्त क्रम का विवेचन किया और उसी समय से अरबों में उसका प्रचार बढ़ने लगा। यूरोप में शून्य सहित यह संपूर्ण अंक-क्रम ईस्वी सन् की 12वीं शती में अरबों से लिया गया और इस क्रम से बना हुआ अंकगणित अल गोरिट्मस नाम से प्रसिद्ध हुआ।

वास्तु

किराए के मकान में रहने वालों पर भी मंडराता है वास्तु दोष का प्रकोप

कभी-कभी किसी घर के पुराने दोषों के कारण वहां रहने वाले लोगों के जीवन में समस्याएं बढ़ जाती हैं। किराए के घर में रहने वाले मकान मालिक की मर्जी के बिना घर में कोई बदलाव भी नहीं करवा सकते हैं। ऐसे में किराएदार को वास्तु दोष के कारण स्वास्थ्य संबंधी या धन संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यहां कुछ ऐसे सामान्य उपाय बताए जा रहे हैं, जिन्हें मकान मालिक से पूछे बिना भी घर में कर सकते हैं...

- घर का उत्तर-पूर्व का भाग ज्यादातर खाली ही रखना चाहिए। यहां सामान रखना वास्तु दोष उत्पन्न करता है। ऐसे में घर के लोगों के जीवन में धन संबंधी परेशानियां बनी रहती हैं।
- घर के भारी सामान या अनावश्यक वस्तुओं को घर के दक्षिण-पश्चिम भाग में रखना चाहिए। किसी अन्य स्थान पर भारी सामान रखना वास्तु के अनुसार अशुभ माना जाता है। ऐसा करने पर आपकी पैसों से जुड़ी समस्याएं कम हो सकती हैं।
- घर में बाथरूम या किचन के लिए पानी की सप्लाई उत्तर-पूर्व दिशा से लेना चाहिए।
- इस बात का भी ध्यान रखें कि बाथरूम में या किचन में या किसी अन्य स्थान पर नल से हमेशा पानी टपकना अशुभ होता है। यदि नल से हमेशा पानी टपकता रहता है तो उसे ठीक करवाएं। जैसे-जैसे नल से टपकता है ठीक वैसे ही आपके पैसों का अपव्यय होता है।
- शयनकक्ष में पलंग का सिरहाना दक्षिण दिशा में रखना चाहिए। ध्यान रखें सोते समय आपका सिर दक्षिण दिशा में व पैर उत्तर दिशा में हो तो बेहतर रहता है। यदि ऐसा न हो तो पश्चिम दिशा में सिरहाना या सिर कर सकते हैं। यदि आप इस प्रकार सोएंगे तो कई प्रकार की बीमारियों से बचाव हो जाएगा।
- खाना खाते समय ध्यान रखें कि आपका मुख दक्षिण-पूर्व दिशा में होगा तो बेहतर रहेगा। ऐसा करने पर भोजन से पूर्ण शक्ति प्राप्त होती है और वास्तु दोषों का नाश होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

12,000 की आबादी वाले देश तुवालु के चुनाव पर क्यों हैं अमेरिका और चीन की नजर

नई दिल्ली । दुनिया के सबसे प्राकृतिक रूप से सुंदर देशों में शामिल तुवालु केवल 12,000 निवासियों वाला एक द्वीप देश है। लेकिन एक छोटे प्रशांत द्वीप राष्ट्र में चुनाव शायद ही कभी सुर्खियाँ बनते हैं। हालाँकि, तुवालु अपनी 16 सीटों वाली संसद के सदस्यों को चुनने के लिए चुनाव की ओर बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय ध्यान का एक बड़ा हिस्सा क्षेत्र में चीन के बढ़ते महत्व और ताइवान सरकार के साथ तुवालु के राजनयिक संबंधों से जुड़ा है। तुवालु पश्चिम मध्य प्रशांत महासागर में एक द्वीप देश है। जो हवाई और ऑस्ट्रेलिया के बीच स्थित है। यहां एक अंगूठी के आकार की मूंगा चट्टान पर स्थित है, जिसके किनारे पर 9 खूबसूरत द्वीप है। इस जगह का आकर्षण यहां की प्राकृतिक खूबसूरती है। इसकी आबादी लगभग 11,500 है, जो इस दुनिया के सबसे छोटे देशों में से एक बनाती है। एक पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश, इस 1978 में स्वतंत्रता मिली। ब्रिटिश सम्राट अभी भी देश का प्रमुख है। तुवालु में सभी उम्मीदवारों ने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा। देश तुवालु के ताइवान समर्थक नेता, कौसिया नतानो, ताइवान, चीन और अमेरिका की करीबी नजर वाले चुनाव में अपनी सीट हार गए। नतानो ने 1979 से राजनयिक सहयोगी रहे ताइवान के लिए समर्थन जारी रखने का वादा किया था। फनाफुटी के मतदाताओं के नतीजों से पता चला कि नतानो अपनी सीट बरकरार रखने में कामयाब नही हो पाए। तुवालु सहित केवल 12 देशों के स्वशासित लोकतांत्रिक द्वीप ताइवान के साथ आधिकारिक राजनयिक संबंध हैं, जिस पर चीन अपना क्षेत्र होने का दावा करता है। प्रशांत महासागर में स्थित नाउरू ने भी हाल ही में अपना समर्थन ताइवान से बदलकर चीन को दे दिया है। यह तुवालु को ताइपे और बीजिंग के बीच तीव्र जॉकींग के केंद्र में रखता है। प्रधान मंत्री नतानो ताइवान के साथ मजबूत संबंधों के पक्षधर हैं और उनके उस समर्थन को जारी रखने की संभावना है। सोपोगा ताइवान के साथ घनिष्ठ संबंधों का भी पक्षधर है। सोपोगा ने कहा है कि वह नवंबर में तुवालु और ऑस्ट्रेलिया के बीच हस्ताक्षरित नई संधि का समर्थन नहीं करते हैं। वह संधि, जो ऑस्ट्रेलिया को प्रमुख प्राकृतिक आपदाओं, स्वास्थ्य महामारी और सैन्य आक्रामकता के जवाब में तुवालु की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध करती है।

जापान में महसूस किए भूकंप के हल्के झटके

टोक्यो, । जापान में रविवार सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। यहां टोक्यो, कानागावा प्रान्त और आसपास के इलाकों में भूकंप के झटके महसूस होने के बाद लोग घबरा कर बाहर आ गए। जापान मौसम एजेंसी ने यह जानकारी बताया कि भूकंप के झटके स्थानीय समयानुसार सुबह 8ः59 बजे महसूस किए गए। मौसम एजेंसी के अनुसार रिक्टर स्केल पर 4.8 तीव्रता वाले भूकंप का केंद्र टोक्यो खाड़ी में 80 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के झटकों के बाद हालांकि सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। टोक्यो मेट्रोपॉलिटन पुलिस विभाग के अनुसार, अब तक नुकसान की कोई भी जानकारी नहीं मिली है।

इजरायल ने की अस्पताल की घेराबंदी, मारे गए 150 फिलिस्तीनी

गाजा। गाजा में इजरायल की ओर से की गयी अस्पताल की घेराबंदी में 150 फिलिस्तीनियों के मारे जाने की खबर है। जानकारी के अनुसार गाजा के दूसरे सबसे बड़े शहर खान यूनिस में नासिर अस्पताल की घेराबंदी की गई थी। इस दौरान 150 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जाने की सूचना मिली है। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-केदरा ने शनिवार को कहा ?कि मृतकों को अस्पताल के प्रांगण में दफनाने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने कहा कि नासिर अस्पताल के मुर्दाघर में अभी भी 30 अज्ञात शव हैं। उन्होंने कहा कि नासिर अस्पताल रक्त इकाइयों की गंभीर और खतरनाक कमी का सामना कर रहा है और कई एनेस्थीसिया दवाएं खत्म हो गई हैं। अल-केदरा ने कहा कि ईंधन की कमी के कारण अस्पताल में जनरेटर चार दिनों के भीतर बंद कर दिए जाएंगे। साथ ही छर्रे और इजरायली ड्रोन हमले के कारण पानी की टंकियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं, जिसके कारण कई इमारतों में पानी का रिसाव हुआ है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इज़रायल जानबूझकर अपनी घेराबंदी के दौरान खान यूनिस में नासिर अस्पताल और होप अस्पताल को भारी क्षति पहुंचाता है, उन्हें निशाना बनाता है और एम्बुलेंस की आवाजाही को भी रोकता है।

10000 यात्रियों वाला सबसे बड़ा क्रूज सफर के लिए रवाना

मियामी । दुनिया का सबसे बड़ा शिप शनिवार को मियामी पोर्ट से अपने पहले सफर के लिए रवाना हो गया है। इस शिप में एक बार में 10000 लोग यात्रा कर सकते हैं। इस शिप में 40 रेस्टोरेंट, आइस स्केटिंग रिंग, थिएटर और 6 स्विमिंग पूल है। यह शिप टाइटेनिक जहाज से 5 गुना ज्यादा बड़ा है। सबसे बड़े इस शिप की लंबाई 1200 फीट है। इस शिप को बनाने में कंपनी के 16000 करोड रुपए खर्च हुए हैं। इसके पहले इतना बड़ा यात्री शिप कभी भी समुद्र में नहीं उतरा।

पाकिस्तान में चरमपंथियों के दबाव में आई पुलिस ने खोदी कब्रें, अब मचा घमासान

लाहौर। पाकिस्तान पुलिस ने अपने ही लोगों की कब्र खोदकर मुश्किल में फंस गई है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में 80 मुसलमानों की कब्र खोदे जाने से बवाल मच गया है। कहा जा रहा है कि पंजाब प्रांत में धार्मिक चरमपंथियों के दबाव में पुलिस ने कथित तौर पर ल्पसंख्यक अहमदी समुदाय की 80 कब्रों के पत्थरों को नष्ट कर दिया। जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान ने शुक्रवार को यह दावा किया। इससे पूरे समुदाय में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त हो गया है। यह घटना प्रांतीय राजधानी लाहौर से करीब 100 किलोमीटर दूर दस्का में हुई। बताया जा रहा है कि चरमपंथियों के दबाव में आकर पाकिस्तान पुलिस ने प्रांत में 80 अहमदी मुसलमानों की कब्रों के पत्थर तोड़ दिए। इससे इस समुदाय के लोगों में भारी आक्रोश फैल गया है। जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान के अनुसार, धार्मिक चरमपंथियों के दबाव में पुलिस ने दस्का में अहमदी समुदाय के दो अलग-अलग कब्रिस्तानों की कम से कम 80 कब्र को अपवित्र कर दिया। शुक्रवार को एक बयान में कहा गया, ''पुलिस ने अहमदी कब्रों के पथरों को इस तथ्य के बावजूद नष्ट कर दिया कि कब्रिस्तान की जमीन अहमदी समुदाय को पंजाब सरकार द्वारा आवंटित की गई थी।'' बयान में दावा किया गया कि सहायक आयुक्त दस्का, अनवर अली कंजू ने अहमदी कब्रों के पत्थरों को ध्वस्त करने का अवैध आदेश जारी किया था। जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान के बयान में कहा गया अनवर अली कंजू लंबे समय से अहमदी समुदाय के उत्पीड़न में शामिल रहे हैं। राज्य को यह समझने की जरूरत है कि कंजू जैसे अधिकारी वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान की प्रतिष्ठा को कैसे खराब करते हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में पुलिसकर्मियों को हाथों में हथौड़े लेकर कब्रों की शिलाओं को तोड़ते हुए दिखाया गया है। जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान ने कहा, 'यह एक निंदनीय और भयावह घटना है जिसे कभी भी उचित नहीं ठहराया जा सकता। अब समय आ गया है कि राज्य यह स्पष्ट करे कि अहमदी कब्रिस्तानों को अपवित्र करने पर उसकी नीति क्या है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि किस कानून के तहत पुलिस और स्थानीय प्रशासन अहमदी समुदाय की कब्रों को अपवित्र कर रहे हैं।

सरावन में 9 पाकिस्तानियों की हत्या की जांच करवाएं : पाकिस्तान

इस्लामाबाद । पाकिस्तान विदेश कार्यालय (एफओ) ने कहा कि वह पड़ोसी देश में आतंकवादियों द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों की हत्या को लेकर ईरानी अधिकारियों के संपर्क में है। यह जानकारी एक मीडिया रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट के अनुसार ईरान की एक समाचार एजेंसी ने पहले बताया था कि प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हाल ही में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में सरवन शहर के सिरकन पड़ोस में एक घर में नौ गैर-ईरानी लोगों की हत्या कर दी थी। एजेंसी ने कहा कि अभी तक किसी संगठन या व्यक्ति ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। रिपोर्ट के अनुसार बलूच मानवाधिकार संगठन हलवाश ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि मारे गए लोग पाकिस्तानी मजदूर थे, जो एक ऑटो मरम्मत की दुकान पर काम करते थे। अन्य तीन घायल हो गए। इस मामले पर मीडिया के सवालों के जवाब में एफओ प्रवक्ता मुमताज ज़हरा बलूच द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है ?कि यह एक भयावह और घृणित घटना है, हम इसकी स्पष्ट रूप से निंदा करते हैं। हम ईरानी अधिकारियों के संपर्क में हैं और हमने घटना की तुरंत जांच करने और इस जघन्य अपराध में शामिल लोगों पर कार्रवाई करने की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि ज़ाहेदान में पाकिस्तान के वाणिज्य दूत उस अस्पताल के रास्ते में हैं, जहां घायलों का उपचार किया जा रहा है। वह लंबी दूरी और सुरक्षा अनिवार्यताओं के बावजूद कुछ घंटों में पहुंच जाएंगे।

मास्को में रुसी राष्ट्रपति व्लादमिर पुतिन और बेलारुस के एलेजेंडर लुकासेंको दूसरे विश्वयुद्ध में मारे गये लोगों की याद में एक समारोह में इनके स्मारक पर पहुंचे।

भारत-अमेरिका के रिश्ते पहले से बेहतर हुए : संधू

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका के संबंधों में क्रांतिकारी बदलाव हो रहे हैं। यह बात अमेरिका में भारत के निवर्तमान राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कही है। उन्होंने कहा कि भारत एवं अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों की अभी यह सिर्फ शुरुआत है। इस दीर्घकालिक रिश्ते का दायरा अभी और बढ़ेगा। राजदूत संधू यहां गणतंत्र दिवस समारोह में भारतीय अमेरिकियों की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इसी बीच कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि यहां रह रहे भारतीयों की दूसरी पीढ़ी भारत से जुड़ी रहे।

उन्होंने कहा, कि यहां पर मैं यह बतलाना चाहता हूं कि आज भारत में अमेरिका-भारत संबंधों में भी क्रांतिकारी बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में महत्वपूर्ण हो जाता है कि आपके बच्चे और आपके परिवार भारत के बारे में जागरूक हों, भारत से जुड़े रहें। गौरतलब है कि संधू अपनी 35 से अधिक वर्षों की सेवा के बाद इस माह अंत में विदेश सेवा से सेवानिवृत्त होने जा रहे हैं। राजदूत संधू का कहना था कि अंतरराष्ट्रीय पूंजी और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के भारत में आने से नौकरी के ज्यादा अवसर प्राप्त होंगे। इसलिए न सिर्फ भावनात्मक, सांस्कृतिक और कई अन्य कारणों से, बल्कि आर्थिक और व्यावसायिक कारणों से भी भारत से जुड़े रहने की आवश्यकता है। गौरतलब है कि नेशनल काउंसिल ऑफ एशियन इंडियन एसोसिएशन द्वारा वर्जीनिया के मैकलीन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान संधू को सम्मानित भी किया गया।

खुद को तालिबानी बताकर मजाक में दी थी विमान उड़ाने की धमकी

-एक ब्रिटिश भारतीय को इस मामले में स्पेन की अदालत ने कर दिया बरी

मैड्रिड, (एजेंसी)। एक ब्रिटिश भारतीय को तालिबानी बताकर मजाक में विमान उड़ाने की धमकी देने के मामले में अदातल ने बरी कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार स्पेन की अदालत ने बरी करते हुए कहा है कि उसका ऐसा इरादा नहीं था। आरोपी ने मजाक में अपने दोस्तों के पास विमान को उड़ाने की धमकी भेज दी थी। घटना 2022 की बताइ गई है। अब अदालत इस नतीजे पर पहुंची है कि उसके पास कोई विस्फोटक नहीं पाया गया। इससे जाहिर होता है कि उसका ऐसा इरादा नहीं था। उस समय एक ब्रिटिश भारतीय ने मजाक में खुद को तालिबानी बताकर प्लेन को उड़ा देने की धमकी दी थी। इसके बाद उसे गिरफ्तार करक लिया गया था। आज से 2 वर्ष पुराने मामले में आरोपी पर कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। स्पेन की एक अदालत ने 2022 में दोस्तों के साथ मजाक में खुद को तालिबान का सदस्य बताने और लंदन के गैटविक से स्पेन के मिनोर्का तक की एक उड़ान को बम से उड़ाने की योजना बनाने की बात कहकर अफरातफरी पैदा करने के आरोपी ब्रिटिश-भारतीय व्यक्ति को बरी कर दिया है। इससे आरोपी ने राहत की सांस ली है।

आरोपी आदित्य वर्मा ने माना कि उसने दोस्तों से जुलाई, 2022 में कहा था कि, मैं विमान को विस्फोट कर उड़ाने वाला हूं। मैं तालिबान का सदस्य हूं।' एक रिपोर्ट के अनुसार वर्मा ने कहा कि उसने यह मजाक एक निजी स्नैपचैट ग्रुप में किया था और उसका इरादा कभी भी 'संकट पैदा करने' का नहीं था। मैड्रिड में एक न्यायाधीश ने शुक्रवार को फैसला सुनाया कि ऐसा कोई विस्फोटक नहीं पाया गया, जिससे किसी को यह लगे कि यह वास्तविक खतरा था। घटना के डेढ़ साल बाद सोमवार को स्पेन की राजधानी में राष्ट्रीय न्यायालय में मुकदमे की सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने फैसला सुनाया कि केंट के निवासी वर्मा को आरोप से बरी कर दिया जाना चाहिए।

दरअसल विमान में सवार होने से पहले उसने दोस्तों को जो संदेश भेजा था, उसे ब्रिटेन के सुरक्षा विभाग ने पकड़ लिया। इसके बाद उन्होंने इस संदेश को स्पेन के अधिकारियों को भेज दिया, जब ईजीजेट विमान आकाश में था। इसके बाद, दो स्पेनिश एफ-18 लड़ाकू विमान भेजे गए। इनमें से एक लड़ाकू विमान ईजीजेट विमान के साथ-साथ मिनोर्का तक गया, जहां हवाई अड्डे पर उतरने के बाद उसके अंदर तलाशी ली गई। वर्मा उस समय 18 वर्ष के थे। उनको गिरफ्तार कर दो दिनों के लिए स्पेनिश पुलिस के प्रकोष्ठ में रखा गया। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा किया गया था।

चुनाव से पहले रिपब्लिकन पार्टी ने टाला ट्रंप पर प्रस्ताव, नहीं तो बढ़ जाती बाइडेन की मुश्किल

वाशिंगटन (एजेंसी)। रिपब्लिकन पार्टी नवंबर 2024 में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रंप के हित में एक बड़ा फैसला लेने का विचार कर रही थी, जिससे जो बाइडेन की मुश्किलें बढ़ सकती थी। मगर पार्टी फिलहाल अपनी योजना को रद्द कर दिया है। बता दें कि रिपब्लिकन ने ट्रम्प को चुनाव से पहले अनुमानित राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार नामित करने की योजना बनाई थी। मगर अब इसे रद्द कर दिया गया है।रिपब्लिकन पार्टी की ओर से 2024 के लिए उम्मीदवारी पेश कर रहे पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी निक्की हेली से 2 राज्यों में आंतिरक चुनाव में जीत हासिल कर चुके हैं। वहीं एक अन्य रिपब्लिकन उम्मीदवार विवेक रामास्वामी अपना नाम इस दौर से वापस ले चुके हैं। इसके बाद ट्रंप को ही बाइडेन के मुकाबले सबसे मजबूत उम्मीदवार माना जा रहा है। इसलिए पार्टी ने आंतरिक चुनाव संपन्न होने से पहले ट्रंप को वर्ष 2024 के लिए रिपब्लिकन पार्टी की ओर से ट्रंप को उम्मीदवार घोषित करने का फैसला किया था। मगर ऐन वक्त में यह फैसला बदलना पड़ गया।

अगर ये फैसला नहीं बदलता तो इससे जो बाइडेन के लिए मुश्किलें हो सकती थीं। क्योंकि यह अभी से तय हो जाता कि बाइडेन के मुकाबले ट्रंप ही 2024 का चुनाव लड़ेंगे। हालांकि रिप्बलिकन पार्टी के इस फैसले से ट्रंप की उम्मीदवारी कमजोर नहीं पड़ी है। तमाम सर्वे में ट्रंप की उम्मीदवारी और उनकी जीत सबसे प्रबल बताई जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार रिपब्लिकन नेशनल कमेटी ने औपचारिक रूप से अपेक्षित प्रतिनिधियों की संख्या हासिल करने से पहले डोनाल्ड ट्रम्प को पार्टी का 2024 में अनुमानित उम्मीदवार घोषित करने पर विचार करने के लिए एक प्रस्ताव तैयार किया था। जिसे ट्रम्प द्वारा अपनी ट्रुथ सोशल साइट पर पोस्ट किया गया। इसके तुरंत बाद प्रस्ताव वापसी की खबर आई। हालांकि ट्रंप ने इस धारणा की बहुत सराहना की। उन्होंने महसूस किया कि पार्टी यूनिटी की खातिर, उन्हें इस योजना के साथ आगे नहीं बढ़ना चाहिए। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार रिपब्लिकन पार्टी की ओर से एक मसौदे में कहा गया था कि पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प को संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए हमारे संभावित 2024 उम्मीदवार के रूप में घोषित करता है और इस क्षण से सभी के समर्थकों का स्वागत करते हुए पूर्ण आम चुनाव मोड में आगे बढ़ता है।

कर्ज के जाल में और फंसेगा पाकिस्तान! अब इस देश से मांगे 2 अरब डॉलर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान आर्थिक तौर पर कंगाली के हाल में है। अगर आईएमएफ, वर्ल्ड बैंक और चीन, यूएई जैसे देश अपने कर्ज को मांग लें या फिर मदद करना बंद कर दें तो पाकिस्तान बिना एक पल गंवाए दिवालिया हो सकता है। 2023 के एक डेटा के मुताबिक पाकिस्तान पर करीब 125 बिलियन अमेरिकी डॉलर का कर्ज है। इस पूरी रकम का करीब एक-तिहाई हिस्सा पाकिस्तान ने चीन से ले रखा है। अब अगर चीन और किसी कर्ज को मंजूरी देता है तो जाहिर सी बात है इससे पाकिस्तान पर कर्ज का दबाव और बढ़ेगा।

एक बार फिर आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान ने चीन का दरवाजा खटखटाया है। पाकिस्तान की फिलहाल सबसे बड़ी तकलीफ नकदी की कमी से जूझना है। इसी के मद्देनजर पाकिस्तानी हुकूमत ने शी जिनपिंग की सरकार से 2 अरब डॉलर के कर्ज की मांग की है। चीन पाकिस्तान का करीबी सहयोगी है और दोनों एक दूसरे की दोस्ती की कसमें खाते रहते हैं। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री के तौर पर फिलहाल अनवार उल हक काकड़ काम कर रहे हैं। इससे पहले संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब भी पाकिस्तान की मदद कर्ज के ही जरिये कर चुके हैं। सऊदी अरब ने तो 5 अरब डॉलर की रकम को पाकिस्तान के स्टेट बैंक में कर्ज के तौर पर जमा कराया ताकि वह दिवालिया न हो जाए। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ की सहायता की भी पाकिस्तान को जरूरत पड़ेगी। ऐसे में, पाकिस्तान की अंतरिम सरकार नेआईएमएफ से अनुरोध किया है कि वह अपने मिशन को बातचीत के लिए भेजे। इस्लामाबाद को आईएमएफ से 1.2 बिलियन अमरीकी डालर के कर्ज की उम्मीद है।

काकड़ ने ही एक पत्र लिखकर चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग से कहा है कि वह जल्द से जल्द यह कर्ज जारी करे। पाकिस्तान की सरकार ने चीन का शुक्रिया अदा किया है क्योंकि चीनी सरकार समय-समय पर अरबों डॉलर की मदद के जरिये पाकिस्तान को आर्थिक बदहाली से उबारती रही है। चीन की ओर से जारी किये गए 4 बिलियन डॉलर के कर्ज का इस्तेमाल पाकिस्तान कर्ज की किस्त चुकाने और अपने विदेशी मुद्र भंडार को स्थिर करने के लिए कर रहा है।

नवाज शरीफ ने घोषणा पत्र में कहा- 370 हटा लें तो शांति कायम हो जाएगी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। जिसमें भारत का भी जिक्र है। घोषणा पत्र में भारत के साथ शांति स्थापना पर जोर दिया है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के घोषणापत्र में भारत सहित अन्य देशों के साथ शांति स्थापना पर जोर दिया गया है। देशों को शांति का संदेश भेजने का वादा किया गया है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक घोषणापत्र में कहा गया है कि पाकिस्तान की तरफ से भारत को शांति का संदेश इस शर्त पर भेजा जाएगा कि वो जम्मू-कश्मीर राज्य में धारा 370 को निरस्त करने के फैसले को वापस ले। इसके साथ ही अगस्त 2019 का अपना फैसला वापस ले। यानी नवाज शरीफ भारत के साथ बेहतर संबंध तो बनाना चाहते हैं लेकिन अपनी शर्तों पर।

हालांकि पीएमएल-एन की शर्त कभी पूरी नहीं होगी। एक दो बार नहीं बल्कि कई बार भारत ये बात साफ कर चुका है कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। भारत कह चुका है कि अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को 2019 में भारत की संसद द्वारा निरस्त किया जाना भारत और उसके संविधान का आंतरिक मामला है।इसके अलावा पीएमएल-एन के घोषणा पत्र में पाकिस्तान की गिरती अर्थव्यवस्था को सुधारने, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से लड़ने, लोगों को सस्ती बिजली मुहैया कराने, बिजली बिलों में 20 से 30 प्रतिशत की कटौती के साथ ही आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का वादा भी किया गया है। घोषणा पत्र में देश की तरक्की करने पर जोर दिया गया है। पीएमएल-एन ने अपने घोषणा पत्र को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर भी शेयर किया है, जिसका टाइटल है पाकिस्तान को नवाज दो'। बता दें कि 2017 में पीएमएल-एन के प्रमुख नवाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद से हटा दिया गया था। नवाज शरीफ तीन बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। एक बार फिर से वो सत्ता में वापसी की तैयारी कर रहे हैं। जिसके लिए पार्टी जोर शोर से तैयारियां कर रही हैं, वहीं उनकी बेटी मरियम नवाज भी पार्टी के प्रचार प्रसार में लगी हैं।

पाकिस्तान ने माना- हां बलूचिस्तान मांग रहा है आजादी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया कि बलूचिस्तान में असंतोष की जड़ एक अलग बलूच पहचान है। हालांकि, ये इस बात को पिछले पाकिस्तानी प्रशासनों ने कभी स्वीकार नहीं किया था। पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार किसी भी राजनीतिक नेता ने पहली बार माना है कि बलूचिस्तान के लोग आजादी मांग रहे हैं। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर ने स्वीकार किया कि बलूचिस्तान के लोग न केवल पाकिस्तान से असंतुष्ट हैं, बल्कि एक स्वतंत्र राज्य की मांग कर रहे हैं। बलूचिस्तान से आ रहीं खबरों के अनुसार, काकर ने एक साक्षात्कार में बलूचिस्तान में जबरन गायब हो रहे लोगों के जटिल मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। पाक पीएम ने इन मामलों को सुलझाने में आने वाली चुनौतियों को पहचाना और लापता व्यक्तियों की वापसी पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर भी जोर दिया।

ईरान के अंतरिक्ष प्लान से पश्चिमी देश घबराए, तीन उपग्रहों की लांचिंग पर हुई आलोचना

यरुशलम(एजेंसी)। ईरान के उपग्रह लांचिंग की पश्चिमी देशों ने आलोचना की है। बताया जा रहा है कि ईरान के इस कदम से बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों में और इजाफा होगा। ईरान ने रविवार को कहा कि उसने अंतरिक्ष में तीन उपग्रहों को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया है। वहीं, पश्चिमी देशों ने ईरान के इस हालिया कार्यक्रम की आलोचना की है। मीडिया मे आई प्रक्षेपण की इन खबरों में ईरान के सिमोर्ग रॉकेट का सफल उपयोग भी देखा गया, जो इससे पहले कई बार विफल रहा था। बता दें कि ईरान का यह प्रक्षेपण ऐसे वक्त हुआ है जब पश्चिम एशिया में गाजा पट्टी में हमास पर इजराइल का युद्ध लगातार जारी रहने के कारण तनाव बढ़ गया है। हालांकि ईरान ने इस संघर्ष में सैन्य हस्तक्षेप नहीं किया है लेकिन इस महीने की शुरुआत में इस्लामिक स्टेट के आत्मघाती बम विस्फोट और यमन के हूती विद्रोहियों जैसे छद्म संगठनों द्वारा युद्ध से जुड़े हमलों के बाद कार्रवाई को लेकर उसे अपने धर्मगुरुओं के दबाव का सामना करना पड़ा है।

ईरानी मीडिया में जारी किए गए फुटेज में रात के दौरान सिमोर्ग रॉकेट का प्रक्षेपण दिख रहा है। फुटेज के विवरण का विश्लेषण से पता चलता है कि प्रक्षेपण ईरान के ग्रामीण सेमनान प्रांत में इमाम 'खुमैनी स्पेसपोर्ट' पर किया गया था। मीडिया ने प्रक्षेपित उपग्रहों का नाम महदा, केहान-2 और हत्फ-1 बताया। बता दें कि महदा एक अनुसंधान उपग्रह है, जबकि केहान और हत्फ क्रमशः वैश्विक स्थिति और संचार पर केंद्रित नैनो उपग्रह हैं। हालांकि अमेरिका ने पहले कहा था कि ईरान के उपग्रह प्रक्षेपण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव की अवहेलना करते हैं और उससे परमाणु हथियार पहुंचाने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइलों से जुड़ी कोई गतिविधि नहीं करने को कहा गया है।

बता दें कि ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम से संबंधित संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध पिछले अक्टूबर में समाप्त हो गए थे। अमेरिकी खुफिया समुदाय के 2023 के विश्वव्यापी खतरे के आकलन में कहा गया है कि उपग्रह प्रक्षेपण यानों के विकास से ईरान कम समय में अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल विकसित करने में सक्षम हो जाएगा, क्योंकि इसमें समान तकनीक का उपयोग किया जाता है। वहीं अमेरिकी सेना और विदेश मंत्रालय ने इसका तुरंत जवाब नहीं दिया। हालांकि अमेरिकी सेना ने 20 जनवरी को किए गए सफल ईरानी उपग्रह प्रक्षेपण को दबे स्वर में स्वीकार जरूर किया है।

यूक्रेन के प्रधानमंत्री ने भारत से लगाई गुहार, छात्रों को वापस पढ़ने भेजें

नई दिल्ली । यूक्रेन के प्रधानमंत्री ने भारत से अनुरोध किया है कि वह युद्धग्रस्त देश में अपने छात्रों को पढ़ाई पूरी करने के लिए वापस भेज दें । ताकि यूक्रेन की वित्तीय हालत में सुधार हो सके । बता दें कि साल 2022 में जब रूस और यूक्रेन के बीच जंग शुरू हुई थी, तब बड़ी संख्या में भारतीय स्टूडेंट यूक्रेन में फंस गए थे । भारत से हर साल हजारों छात्र यूक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए जाते हैं । युद्ध शुरू हुए दो साल बीतने को हैं । अब फिर से यूक्रेन के पीएम डेनिस शिमहल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक गुहार लगाई है । पीएम मोदी को वैश्विक नेता' करार देते हुए उन्होंने भारत से अनुरोध किया कि वह युद्धग्रस्त देश में अपने छात्रों को पढ़ाई पूरी करने के लिए वापस भेज दें । मी?डिया को दिए इंटरव्यू में यूक्रेन के पीएम ने भारत को यूक्रेन के सबसे बड़े आर्थिक साझेदारों में से एक बताया और उन्हें मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए पीएम मोदी की प्रशंसा की । उन्होंने कहा कि पीएम मोदी एक वैश्विक नेता हैं, जो विश्व शांति के लिए काम कर रहे हैं । यूक्रेन का एक बड़ा हिस्सा अब शांतिपूर्ण है और मैं भारत से अनुरोध करेंगे कि वह पहले की तरह छात्रों को भेजकर हमें आर्थिक मदद में अपनी ओर से सहयोग करे । 2022 में भारत ने यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए 'ऑपरेशन गंगा' के तहत छात्रों सहित लगभग 18,000 भारतीय नागरिकों को यूक्रेन से निकाला था । वहीं युद्ध में उलझे यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है । अर्थव्यवस्था में आई 30 प्रतिशत की गिरावट बीते 30 वर्षों में सबसे बड़ी गिरावट है । भारत को 75वें गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए, यूक्रेनी के प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत जिस तेजी से आगे बढ़ रहा है वो काबिले तारीफ है । श्मीहाल ने यह भी कहा कि यूक्रेन यूरोपीय संघ और नाटो का हिस्सा बनने के लिए कुछ भी करेगा । उन्होंने अन्य देशों को युद्ध रोकने के लिए रूस पर दबाव डालने की बात भी कही ।

दिल्ली एयरपोर्ट की सुरक्षा में सेंध, रन-वे पर खड़ा हो गया शख्स

नई दिल्ली । इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था में एक बार फिर सेंधमारी हो गई । यहां रनवे पर विमान उड़ने ही वाला था कि उसके सामने एक शख्स आकर खड़ा हो गया । गनीमत रही कि चालक ने विमान को रोक लिया । इससे पहले भी बीते दिनों, एक शख्स डिजी यात्रा सिस्टम में सेंध लगाकर एयरोब्रिज तक पहुंचने में कामयाब हो गया था । वहीं, अब एक शख्स उड़ान भरने को तैयार एक विमान के सामने आकर खड़ा हो गया । गनीमत रही कि सही समय पर विमान के पायलट की नजर इस शख्स पर पड़ गई और बिना किसी देरी के विमान को रोक लिया गया । नहीं तो आज रन-वे पर खड़े इस शख?स के साथ विमान में बैठे सैकड़ों मुसाफिरों की जिंदगी दांव पर लग जाती । एयरपोर्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार देर रात्रि करीब 11:50 बजे एयर इंडिया का एक विमान उड़ान भरने के लिए आगे बढ़ने ही वाला था, तभी पायलट को रन-वे पर कोई शख?स टहलता हुआ नजर आया । सैकड़ों मुसाफिरों की सुरक्षा को ध्?यान में रखते हुए पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर विमान को वहीं रोक लिया । इसके बाद, पायलट ने रन-वे पर टहल रहे इस शख्स की जानकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोल को दी । एटीसी ने इसके लिए एयरपोर्ट ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर को मामले की जानकारी देते हुए रन-वे क्लियर कराने को कहा । सूचना मिलते ही एओसीसी ने एयरसाइट पर मौजूद फॉलो-मी व्हिकल और सीआईएसएफ की क्विक एक्शन टीम रन-वे पर पहुंची । सुरक्षाकर्मियों को पता चला कि यह शख्स शराब के नशे में बुरी तरह से धुत था । लंबी जद्दोजहद के बाद सुरक्षाकर्मियों ने इस युवक पर काबू पाया और टर्मिनल बिल्डिंग में लाए । इस पूरी कवायद में करीब 20 से 25 मिनट का समय लग गया । रन-वे क्लियर होने के बाद एयर इंडिया का विमान उड़ान के लिए आगे बढ़ गया । वहीं, टर्मिनल पर पहुंचने के बाद इस शख्स से पूछताछ में युवक की पहचान इमाम के रूप में हुई है । आरोपी हरियाणा के नूह का रहने वाला है । उसने बताया वह एयरपोर्ट की चारदीवारी फांदकर एयर साइट में दाखिल हुआ था । एयरपोर्ट पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है ।

मुस्लिम देश इंडोनेशिया की करेंसी में आज भी भगवान गणेश विराजमान

नई दिल्ली । भारत के मुस्लिम पड़ोसी देश इंडोनेशिया की करेंसी में भगवान गणेश की छवि विराजमान है । बता दें कि इंडोनेशिया दुनिया का सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला देश है । यहां की कुल आबादी में करीब 87 फ़ीसदी मुसलमान हैं और इनकी संख्या करीब 23 करोड़ के आसपास है । इंडोनेशिया भले ही सर्वाधिक मुस्लिम आबादी वाला देश हो और इस्लाम को मानता हो, लेकिन लंबे वक्त तक हिंदुओं के आराध्य भगवान गणेश ने इस देश को सहारा दिया है । यहां पर भगवान गरुण का दबदबा तो आज भी कायम है । जानकारी के अनुसार इंडोनेशिया की करेंसी को रुपैया के नाम से जाना जाता है और 20 हजार की करेंसी पर भगवान गणेश की तस्वीर छप चुकी है । इस नोट को छापने की शुरुआत साल 1998 में हुई थी । नोट पर एक तरफ भगवान गणेश तो दूसरी तरफ इंडोनेशिया के स्वतंत्रता सेनानी हजार देवेंत्रा की तस्वीर छपी है । इंडोनेशिया में भगवान गणेश को कला, विज्ञान और शिक्षा का प्रतीक माना जाता है । जिस वक्त भगवान गणेश की तस्वीर करेंसी पर छापने का फैसला लिया गया था, उस वक्त इंडोनेशिया की अर्थव्यवस्था बहुत बुरे दौर से गुजर रही थी । बताया जा रहा है इंडोनेशिया को इस करेंसी ने काफी सहारा दिया । हालांकि इंडोनेशिया, अब भगवान गणेश की तस्वीर वाली करेंसी छापना बंद कर चुका है । साल 2008 में आखिरी बार इस करेंसी की छपाई हुई थी, लेकिन ये नोट 2018 तक चलन में थे । एक और दिलचस्प बात यह है कि इंडोनेशिया की सरकारी विमान कंपनी का नाम गरुण एयरलाइंस है । जो कि पवित्र गरुड़ पक्षी के नाम पर रखा गया है । हिंदू धर्म में भी गरुड़ देवता की पूजा की जाती है । आपको बता दें कि इंडोनेशिया में करीब 1.69 फीसदी हिंदू आबादी भी रहती है । जिसमें से लगभग 90 फ़ीसदी आबादी अकेले बाली में रहती है । इंडोनेशिया के धार्मिक मामलों के मंत्रालय के मुताबिक देश में कुल 87.02प्र. मुसलमान जिसमें 99 फीसदी सुन्नी, 7.43 प्रतिशत ईसाई, 1.69 प्रतिशत हिंदू, .073 प्रतिशत बौद्ध और बाकी अन्य धर्मों के लोग रहते हैं ।

चेतावनी : पश्चिमी विक्षोभ से हो सकती है पहाड़ों पर भारी बर्फबारी

नई दिल्ली । मौसम केन्द्र ने चेतावनी देते हुए कहा है कि पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में रविवार से लगातार दो विक्षोभों के प्रभाव से इस मौसम की पहली भारी बर्फबारी होने की संभावना है । भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी । बता दें कि सर्दी के इस मौसम में पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में पर्वत की चोटियों पर बर्फ पर वो नजारा नहीं दिखा जो आमूमन हर वर्ष होता है । आईएमडी ने इसके लिए सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ की कमी को जिम्मेदार ठहराया है । पश्चिमी विक्षोभ भूमध्यसागरीय क्षेत्र में उत्पन्न होता है और इससे उत्तर पश्चिम भारत में बेमौसम वर्षा आती है । सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ की कमी को मौजूदा अल-नीनो स्थितियों के लिए भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है । बता दें कि अल-नीनो स्थिति मध्य प्रशांत महासागर में सतही जल का असामान्य रूप से गर्म होना है । इस मामले में लद्दाख के लेह में मौसम विज्ञान केंद्र के प्रमुख सोनम लोटस ने कहा कि वर्षा की कमी से हिमालय क्षेत्र में ताजे पानी की उपलब्धता पर असर पड़ने की आशंका है । जिससे बागवानी और खेती-बाड़ी बुरी तरह से प्रभावित होगी । आईएमडी ने अलर्ट जारी करते हुए कहा कि एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ के रविवार से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र के मौसम पर असर पड़ सकता है और एक अन्य विक्षोभ के 31 जनवरी से इस क्षेत्र एवं उत्तर-पश्चिम भारत के आसपास के मैदानी इलाकों के मौसम को प्रभावित करने की संभावना है । इन स्थितियों के कारण 28 जनवरी से 31 जनवरी के बीच जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा या बर्फबारी होने की संभावना है । वहीं 31 जनवरी से दो फरवरी तक उत्तराखंड में हल्की या मध्यम छिटपुट बारिश या बर्फबारी और पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हल्की बारिश होने की संभावना बन रही है ।

अमेठी में 2 लाख से ज्यादा लोगों को रामलला के दर्शन करवाएंगी स्मृति ईरानी

अमेठी । केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी अमेठी में 2 लाख से ज्यादा लोगों को रामलला के दर्शन करवाएंगी । केंद्रीय महिला एवं बाल विकास, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री स्मृति ईरानी अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी के दो लाख से अधिक लोगों को अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के दर्शन कराएंगी । उनके प्रतिनिधि ने बताया कि इसके साथ ही तीन लाख से अधिक घरों तक प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा का प्रसाद पहुंचाने का लक्ष्य सुनिश्चित कर घर-घर प्रसाद पहुंचाने का काम शुरू कर दिया गया है । मंत्री के प्रतिनिधि विजय गुप्ता कहा कि अमेठी की सांसद स्मृति ईरानी के निर्देश पर उत्थान सेवा संस्थान द्वारा अमेठी संसदीय क्षेत्र के 3 लाख परिवारों तक प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा का प्रसाद पहुंचाने का काम शुरू कर दिया गया है ।

दो दिन के विश्राम के बाद अब बंगाल में चलेगा 'डोनेट फॉर न्याय' अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो दिन के विश्राम के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा रविवार को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले से फिर से शुरू हो गई। बता दें कि यह यात्रा मणिपुर की राजधानी इंफाल से 14 जनवरी को आरंभ हुई थी। यह यात्रा असम से बृहस्पतिवार सुबह पश्चिम बंगाल में दाखिल हुई थी और दो दिन के विश्राम के दौरान राहुल गांधी नयी दिल्ली लौट गए थे।

कांग्रेस की राज्य इकाई के नेता शुभंकर सरकार ने कहा कि राहुल गांधी पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे सिलीगुड़ी के बागडोगरा हवाई अड्डे पर पहुंचे। इसके बाद वह जलपाईगुड़ी पहुंचे जहां से यात्रा फिर से शुरू हो रही है। उन्होंने बताया कि न्याय यात्रा रात में सिलीगुड़ी के पास रुकेगी। यह यात्रा सोमवार को उत्तर दिनाजपुर जिले के इस्लामपुर की ओर जाएगी और फिर बिहार में प्रवेश करेगी। यात्रा 31 जनवरी को मालदा के रास्ते पश्चिम बंगाल में फिर से प्रवेश करेगी और फिर मुर्शिदाबाद से होते हुए एक फरवरी को राज्य से रवाना होगी। इस बार की यात्रा का आकर्षण 'डोनेट फॉर न्याय' अभियान होगा, जिसमें क्यूआर कोड को स्कैन करके प्रति किलोमीटर एक पैसा न्यूनतम की सहायता राशि दान दी जा सकेगी।

बता दें कि इसमें सहायता के अनुरूप राहुल गांधी के हस्ताक्षर वाली टी-शर्ट से लेकर एक भव्य किट तक शामिल है, जो कि 67,000 से ज्यादा की सहायता राशि पर प्रमाणपत्र सहित एआईसीसी की ओर से दी जाएगी। इधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि पार्टी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए सुचारू मार्ग और राहुल गांधी एवं अन्य नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित निर्देश दिए जाएं। कांग्रेस ने पहले आरोप लगाया था कि जलपाईगुड़ी में गांधी की तस्वीर वाले कुछ बैनर फाड़े गए। कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने भी राज्य में यात्रा के दौरान जनसभाएं आयोजित करने की अनुमति हासिल करने में बाधाएं आने पर चिंता जताई है।

न्याय यात्रा के पश्चिम बंगाल में प्रवेश करने से एक दिन पहले मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा था कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस राज्य में विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक के तौर पर नहीं बल्कि अकेले लोकसभा का चुनाव लड़ेगी। बता दें कि कांग्रेस की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा 6,713 किलोमीटर की दूरी तय करेगी और 15 राज्यों के 110 जिलों से होते हुए 20 या 21 मार्च को मुंबई में पहुंचकर समाप्त होगी।

निवेश जुटाने 12 दिवसीय विदेश यात्रा पर रवाना हुए सीएम स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन 12 दिवसीय विदेश यात्रा पर रवाना हो गए । बता दें कि सीएम स्टालिन प्रदेश को 2030 तक एक खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को हासिल करने वाले हैं, इसके लिए वह शनिवार रात विदेश रवाना हो गए। सीएम स्टालिन अपने लगभग 12 दिवसीय दौरे के दौरान, तमिलनाडु को सर्वोत्तम निवेश स्थल के रूप में प्रदर्शित करके प्रदेश में निवेशकों को लुभाने के लिए स्पेन और अन्य देशों का दौरा करेंगे। सीएम स्टालिन की यात्रा इस महीने की शुरुआत में ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट के सफल आयोजन की पृष्ठभूमि में हो रही है, जिसके दौरान एक खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने के एवज में लगभग 600 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए थे। उन्होंने हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वह स्पेन की यात्रा पर जा रहे हैं और सात फरवरी को वापस चेन्नई लौटेंगे । उन्होंने कहा कि पिछली दो विदेश यात्राओं के दौरान 7,442 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया गया और 17,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिला । सीएम स्टालिन ने कहा कि इन दौरों के दौरान हस्ताक्षरित एमओयू को आकार दिया गया है और निवेशकों ने राज्य में अपना कार्य स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है । उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि वह यूरोपीय देशों में निवेशकों को जरूर लुभाएंगे और उद्योगपतियों के साथ बैठकें और बातचीत करके राज्य के लिए बड़े पैमाने पर निवेश सुनिश्चित करने के लिए पहल करेंगे ।

देश में बहुत हैं आया राम, गया राम जैसे लोग: खड़गे

-नीतीश के महागठबंधन छोड़ने पर विफरा विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीतीश कुमार ने एक बार फिर पलटी मारी और महागठबंधन छोड़ पहले मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया और एनडीए के साथ मिल पुन-सीएम बनने का दावा पेश कर दिया। नीतीश के यूं पाला बदलने पर विपक्ष ने जबरदस्त हमला बोला है और उन्हें पलटू राम से लेकर आया राम गया राम की संज्ञा दे डाली है। विपक्षी दलों के नेताओं ने नीतीश की आलोचना करते हुए निशाना साधा है।

इसी कड़ी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि जब हमारी बात तेजस्वी और लालू जी से हुई तभी उन्होंने बतलाया था कि नीतीश जी महागठबंधन से जा सकते हैं, इसलिए अब हमको और आपको मिलकर लड़ना होगा। इसी बीच खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, कि देश में आया राम-गया राम जैसे कई लोग हैं।... बात हमें पहले से ही पता थी, लेकिन इंडिया गठबंधन को बरकरार रखने के लिए हमने कुछ नहीं कहा। उन्होंने आगे कहा है कि यदि हम कुछ गलत कहेंगे तो संदेश गलत जाएगा। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, कि बार-बार राजनीतिक साझेदार बदलने वाले नीतीश कुमार ने रंग बदलने में गिरगिटों को कड़ी टक्कर दे दी है। इस विश्वासघात के विशेषज्ञ और उन्हें इशारों पर नचाने वालों को बिहार की जनता कभी माफ नहीं करेगी। इनके अलावा शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने भी नीतीश पर निशाना साधा है। इसके साथ ही उन्होंने नीतिश व शाह के पुराने बयानों को भी साझा किया जिसमें उन्होंने एक दूसरे पर जमकर निशाना साधा था। दरअसल तब

नीतीश ने पलटते हुए कहा था कि, मर जाना कबूल है, उनके साथ जाना कबूल नहीं है. ये अच्छी तरह जान लीजिये ! इस पर तब गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा था कि पलटूराम ने जनादेश का अपमान किया है। अरे पलटू बाबू, कुछ तो लिहाज रखो। छठ मैया से प्रार्थना करता हूं कि पलटू राम से मुक्त हो बिहार। नीतीश कुमार के लिए बीजीपी के दरवाजे बंद।

ऑफर की आंधी में नहीं डगमगाए मांझी, आखिरकार लगा ही ली नैया पार

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी सियासी चौपाल पर सबसे बड़े खिलाड़ी माने जा रहे हैं। उन्हे किसी ने उपमुख्यमंत्री का लालच दिया तो किसी ने सभी को मंत्री बनाने की बात कही लेकिन मांझी ने एनडीए का हाथ नहीं छोड़ा। उन्हे पता था कि आने वाले समय में कोई कुछ भी बने लेकिन सत्ता की मलाई उनके बराबर किसी को नहीं मिलने वाली। मांझी के कुल 4 विधायक हैं जिसमें में दो को मंत्री बनवाने में मांझी सफल हो सकते हैं।

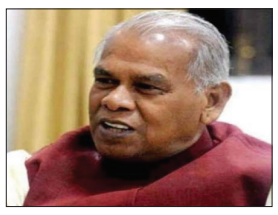

बिहार में सियासी हलचल मची हुई है। माना जा रहा है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर से बीजेपी के साथ सरकार बना सकते हैं। यह लगभग अब तय भी हो चुका है, क्योंकि आरजेडी के मंत्रियों ने कामकाज लगभग खत्म कर दिया है। तेजस्वी यादव ने खुद सारी फाइलें सचिवालय लौटा दी हैं। इस पूरे घटनाक्रम में हिंदुस्तान आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतनराम मांझी की मौज आई है।जीतनराम मांझी के पास चार विधायक हैं। जीतनराम मांझी भी खुद विधायक हैं और उन्होंने एनडीए में बने रहने के लिए अब एक शर्त रख दी है। जीतनराम मांझी ने नई सरकार में दो मंत्री पद की मांग की है। यह संख्या के हिसाब से 50 फीसदी हुआ है।

जीतनराम मांझी ने शनिवार शाम अपने घर पर विधायक दल की बैठक बुलाई और इस बैठक में उन्होंने कहा कि जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, वहीं पर हमारी पार्टी भी है। उन्होंने कहा कि हम पीएम मोदी के साथ हैं लेकिन इसके साथ ही उन्होंने दो मंत्री पद की मांग भी कर दी।जब यह घटनाक्रम शुरू हुआ उसके बाद कांग्रेस ने जीतनराम मांझी से संपर्क कर उन्हें इंडिया गठबंधन में शामिल होने का ऑफर दिया। बताया जाता है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने खुद जीतनराम मांझी से बात की। लेकिन मांझी एनडीए के साथ बने हुए हैं। इसके पहले खबर थी कि आरजेडी ने भी जीतनराम मांझी से बात की है। आरजेडी प्रमुख लालू यादव ने जीतनराम मांझी को उपमुख्यमंत्री पद का ऑफर दिया और अपने साथ आने को कहा, लेकिन मांझी ने ये ऑफर भी ठुकरा दिया।बिहार की राजधानी पटना में जीतनराम मांझी के समर्थन में उनके समर्थकों ने पोस्टर भी लगाए हैं। पोस्टर पर लिखा है, 'बिहार में बहार है, बिन मांझी सब बेकार है।

भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने के विरोध में उतरा जनजातीय संगठन

चुराचांदपुर । मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के एक जनजातीय संगठन ने भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का कड़ा विरोध ?किया है । संगठन ने कहा कि वह भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने के केंद्र के फैसले का विरोध करेगा । इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने एक बयान में कहा कि संगठन ने जिला मुख्यालय में स्थानीय लोगों के साथ शनिवार को एक सभा का आयोजन किया था । इस दौरान भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने और दोनों देशों के बीच मुक्त आवागमन व्यवस्था को रद्द करने के केंद्र के फैसले का विरोध करने का संकल्प लिया गया । दरअसल मुक्त आवागमन व्यवस्था सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों को बिना वीजा के एक-दूसरे के क्षेत्र में 16 किलोमीटर तक की यात्रा करने की अनुमति देती है । इसमें भारत के चार राज्य- अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर और मिजोरम, म्यांमा के साथ 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा के दायरे में आते हैं । संगठन के बयान में कहा गया कि आईटीएलएफ ने कुकी जो समुदाय के लोगों के राजनीतिक भविष्य के लिए मिजोरम सरकार से मुलाकात करने का भी फैसला किया ।

डोभाल से बात होते ही कनाडा बोला- हां निज्जर मर्डर की जांच में सहयोग दे रहा है भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। निज्जर हत्या कांड की जांच के मामले में कनाडा के सुर बदल गए है। पहले कहता था कि भारत जांच् में सहयोग नहीं कर रहा है,अब कहने लगा है कि भारत पूरा पूरा सहयोग कर रहा है। बता दें कि कनाडा ने आरोप लगया था कि खालिस्तान अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों का हाथ है। हालांकि, इस मामले में उसने कोई सबूत नहीं दिए। साथ ही भारत पर जांच में सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया था। अब हालांकि उसके सुर बदल गए हैं। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोडी थॉमस ने कहा कि भारत अब जांच में सहयोग कर रहा है। आपको बता दें कि कनाडा के सुर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ चर्चा के बाद बदली है।

खबर है कि दोनों देशों के एनएसए के बीच हुई चर्चा के दौरान इस विषय पर भी बात हुई। इसके बाद थॉमस ने दोनों देशों के बीच संबंधों के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि इंडो-पैसिफिक में काम करने की कनाडा की क्षमता भारत के साथ स्वस्थ संबंध रखने पर निर्भर करती है। भारत अब तक आधिकारिक तौर पर कहता रहा है कि कनाडा ने अपने दावे के समर्थन में कभी कोई सबूत या जानकारी साझा नहीं की कि भारतीय एजेंट हत्या से जुड़े थे। जबकि भारत ने एक अन्य खालिस्तान अलगाववादी गुरपतवंत पन्नून की हत्या की साजिश में एक भारतीय अधिकारी की इसी तरह की संलिप्तता के बारे में अमेरिका द्वारा साझा की गई जानकारी के आधार पर जांच शुरू की है। लेकिन भारत ने अब तक कनाडाई मामले में किसी भी जांच की घोषणा नहीं की है।

रिटायरमेंट के दिन थॉमस ने कहा कि पन्नू की हत्या की साजिश रचने में एक भारतीय नागरिक पर अमेरिका में केस चल रहा है। उनका दावा है कि इस जानकारी से निज्जर मुद्दे पर कनाडा को मदद मिलेगी।थॉमस ने कहा, मैं उन्हें सहयोग नहीं करने वाला नहीं कहूंगा। हमने उनके साथ रिश्ते में प्रगति की है और वे समझते हैं कि हम क्या मानते हैं। आरसीएमपी जांच चल रही है और उम्मीद है कि वे जिम्मेदार और जवाबदेह लोगों पर मुकदमा चलाने में सक्षम होंगे। सीटीवी को दिए अपने साक्षात्कार में थॉमस ने कहा कि भारत, विशेष रूप से एनएसए अजीत डोभाल इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कनाडा के साथ काम कर रहे हैं।

केन्द्र ने बकाया नहीं दिया तो टीएमसी के साथ ममता बनर्जी करेंगी प्रदर्शन

-सरकार को दिया 7 दिनों का अल्टीमेटम, केन्द्रीय निधि जारी करने की मांग

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार को बकाया जारी करने खुली चुनौती दी है। उन्होंने केंद्र को सभी बकाया राशि का भुगतान करने के लिए सात दिन का अल्टीमेटम दिया। इस मौके पर ममता बनर्जी ने कहा कि ऐसा न होने की स्थिति में पार्टी बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू करेगी। गौरतलब है कि ममता बनर्जी ने यह टिप्पणी 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजभवन में एक कार्यक्रम के दौरान की। उन्होंने कहा कि 'अगर केंद्र सरकार ने निधि जारी नहीं की तो टीएमसी के लोग बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू करेंगे।' गौरतलब है ?कि पश्चिम बंगाल सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, केंद्र पर राज्य का पीएमएवाई के तहत 9,330 करोड़ रुपये, मनरेगा के तहत 6,900 करोड़ रुपये, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 830 करोड़ रुपये, पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत 770 करोड़ रुपये, स्वच्छ भारत मिशन के तहत 350 करोड़ रुपये बकाया है।

इसी तरह मध्याह्न भोजन के तहत 175 करोड़ रुपये के साथ ही अन्य योजनाओं का भी बकाया शामिल है। इस मामले को लेकर सीएम ममता बनर्जी ने 20 दिसंबर को पीएम नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करके लंबित केंद्रीय निधि के मुद्दे पर चर्चा की थी। ममता ने पीएम मोदी से मुलाकात के बाद कहा कि आवास योजना की स्कीम बंद कर दी गई। फाइनेंस कमीशन का भी पैसा नहीं मिल रहा है। हम पहले भी तीन बार पीएम मोदी से मिल चुके हैं। हालांकि आज पीएम ने कहा है कि हमारे ऑफिसर और आपके ऑफिसर मिलकर बात करेंगे। पीएम ने ध्यान से मेरी बात सुनी है। वहीं अब एक बार फिर से ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार को सात दिन का अल्टीमेटम दिया है। ऐसे में केंद्र सरकार के रुख पर सभी का ध्यान जा रहा है।

शिक्षा मंत्री ने दी शिक्षकों को कड़ी चेतावनी, संभल जाएं अन्यथा बुलडोजर चलेगा

कोटा । राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने ?शिक्षकों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है ?कि संभल जाएं अन्यथा बुलडोजर चलवा ?दिया जाएगा । ?शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि गलत आचरण करने वाले शिक्षकों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा । उनको न केवल बर्खास्त किया जाएगा बल्कि उसके बाद उनकी संपत्ति पर बुलडोजर भी चलेगा । इस समय दिलावर का यह बयान सोशल मीडिया में खासा चर्चा में बना हुआ है । दिलावर ने शिक्षा मंत्री का पदभार संभालने के बाद कई ऐसे बयान दिए हैं जो चर्चा में हैं । ?मिली जानकारी के अनुसार शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शनिवार को कोटा में एक सरकारी स्कूल के कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान शिक्षकों के आचरण को लेकर साफ हिदायत दी है । दिलावर ने हाल ही में गणतंत्र दिवस पर नागौर के परबतसर में हुई घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जिन शिक्षकों का आचरण शिक्षा विभाग को शर्मसार करेगा उन्हें किसी भी कीमत पर नहीं बख्शेंगे । उन्होंने कहा कि वे ऐसे शिक्षकों को नहीं छोड़ेंगे, साथ ही ऐसे शिक्षकों के सिफारिश करने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी ।

कोविड महामारी में एक विकासवादी परिवर्तन है जेएन.1 वायरस

-डब्ल्यूएचओ भी इसे अगले संस्करण के रूप में दे सकता है मान्यता

नई दिल्ली (एजेंसी)। जेएन.1 वैरिएंट को कोविड महामारी में एक विकासवादी परिवर्तन के रूप में देखा जा रहा है। इसे शायद डब्ल्यूएचओ भी चिंताजनक बता सकता है। बता दें कि अगस्त 2023 में पता चलने के बाद से, कोविड का जेएन.1 वैरिएंट व्यापक रूप से फैल गया है। यह ऑस्ट्रेलिया और दुनिया भर में प्रभावी हो गया है, जिससे कम से कम पिछले वर्ष कई क्षेत्रों में सबसे बड़ी कोविड लहर देखी गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दिसंबर 2023 में जेएन.1 को ध्यान दिए जाने योग्य प्रकार के रूप में बताया और जनवरी में कहा कि कोविड एक निरंतर बना रहने वाला वैश्विक स्वास्थ्य खतरा है जो दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणामों की चिंताजनक क्षमता के साथ बीमारी का कारण बन रहा है। जेएन.1 महत्वपूर्ण है। सबसे पहले एक रोगज़नक़ के रूप में यह सार्स-कोव-2 का आश्चर्यजनक रूप से नया संस्करण है और तेजी से अन्य परिसंचारी उपभेदों (ओमिक्रोन एक्सबीबी) की जगह ले रहा है।

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि यह कोविड के विकास के बारे में जो कहता है, उसकी वजह से भी महत्वपूर्ण है। आम तौर पर, सार्स-कोव-2 वेरिएंट काफी हद तक पहले के समान दिखते हैं, एक समय में केवल कुछ उत्परिवर्तन जमा करते हैं जो वायरस को अपने मूल वायरस पर सार्थक लाभ देते हैं। हालाँकि, कभी-कभी, जैसा कि तब हुआ था जब दो साल पहले ओमिक्रॉन (बी.1.1.529) सामने आया था, ऐसे वेरिएंट अचानक सामने आते हैं जिनकी पहले की तुलना में स्पष्ट रूप से भिन्न विशेषताएं होती हैं। इसका रोग और संचरण पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। अब तक, यह स्पष्ट नहीं था कि यह चरण-परिवर्तन विकास फिर से होगा, विशेष रूप से लगातार विकसित हो रहे ओमिक्रॉन वेरिएंट की चल रही सफलता को देखते हुए। हालांकि जेएन.1 इतना अलग है और नए संक्रमणों की ऐसी लहर पैदा कर रहा है कि कई लोग सोच रहे हैं कि क्या डब्ल्यूएचओ को जेएन.1 को चिंता के अगले संस्करण के रूप में मान्यता देनी पड़ेगी। कहा तो यह भी जा रहा है कि किसी भी स्थिति में, जेएन.1 के साथ हम महामारी के एक नए चरण में प्रवेश कर चुके हैं। सामाजिक और व्यक्तिगत स्तर पर हमें संक्रमण की लहर दर लहर स्वीकार करने के जोखिमों पर फिर से विचार करने की जरूरत है। कुल मिलाकर, यह कम से कम दबाव के साथ, कोविड संचरण और प्रभावों को कम करने के लिए व्यापक रणनीतियों के महत्व को बता सकते है। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी और अपने आसपास के लोगों की सुरक्षा के लिए सक्रिय कदम उठाते रहें। उभरते खतरों को देखते हुए बेहतर महामारी संबंधी तैयारियों और मौ

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएसआई सहित तीन पुलिसकर्मी निलंबित

वापी शहर में सेवारत एक पीएसआई, एक महिला एएसआई और एक लेखक को अलग-अलग मामलों में कर्तव्य में लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी टाउन पीएसआई वी.ए. वसावा के खिलाफ कार्रवाई के तहत उन्हें निलंबित कर दिया गया था. जहां वापी टाउन के चला चौक पर कार्यरत महिला एएसआई मयूरीबेन और लेखिका किरण सिंह एनआरआई और उसके परिवार को चला चौक पर ले आईं और रुपये की मांग की। एनआरआई ने उच्चतम स्तर पर शिकायत की तो जांच के बाद तत्काल प्रभाव से एएसआई और उसके लेखक के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की गई।निलंबित करने का आदेश वलसाड एसपी डॉ. करणराज वाघेला ने किया.

वलसाड जिले में कानून व्यवस्था लागू करने और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए विभिन्न पुलिस मुख्यालयों में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। वलसाड जिले के वापी टाउन पुलिस स्टेशन में शूलपाड इलाके में मारपीट की शिकायत दर्ज की गई. शिकायत की जांच टाउन थाने के पीएसआई वी.ए. निपटा रहे थे. उस मामले में, पीएसआई वीए वसावा ने सुलपाड हमला मामले में आवश्यक उचित जांच नहीं की, मामले में आवश्यक गवाहों के बयान दर्ज किए बिना जांच पूरी की, आरोपी को गिरफ्तार किया और आरोपी को बिना रिमांड के न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एक जागरूक नागरिक ने पीएसआई वसावा द्वारा की गई जांच पर असंतोष व्यक्त किया. एसपी की जांच समिति के सामने मामला आने पर वलसाड एसपी ने कर्तव्य में लापरवाही बरतने वाले पीएसआई के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की और पीएसआई को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश दिया।

जब नवंबर २०२३ में वापी चला चेक पोस्ट के पास दमन से आ रहे एक एनआरआई की कार में विदेशी शराब की मात्रा पाए जाने के मामले में वापी शहर पुलिस स्टेशन के चला पुलिस चौकी के एएसआई मयूरीबेन और राइटर किरण सिंह ने परिवार के साथ दुर्व्यवहार किया था। वाहन चेकिंग के दौरान एनआरआई की कार से मिली विदेशी शराब के मामले में केस दर्ज करने की कार्रवाई की गई है जिसके बाद परिजनों ने उच्च स्तर पर शिकायत की. वलसाड एसपी को शिकायत मिलने पर वलसाड एसपी ने तुरंत घटना वाले दिन के सीसीटीवी फुटेज और चला चौक के सीसीटीवी फुटेज की जांच की और वापी टाउन पुलिस स्टेशन के एएसआई मयूरीबेन और उनके लेखक किरण सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश दिया। एनआरआई परिवार के खिलाफ उनका दुर्व्यवहार। वलसाड एसपी करणराज वाघेला ने आदेश दिया कि ड्यूटी पर लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों के बीच कानाफूसी हुई।

सूरत के लसाकाना में पड़ोसी से टमाटर मांगने जाते वक्त हुआ झगड़ा

सामान्य झगड़े में पप्पू ने पड़ोसी पर हमला कर मार डाला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में सामान्य बात पर हुए झगड़े के बाद हत्या की वारदात सामने आई है. लस्काना इलाके में टमाटर को लेकर दो पड़ोसियों में मामूली मारपीट हो गई. इसी झगड़े की दुश्मनी में एक पड़ोसी ने दूसरे पड़ोसी पर चप्पू से वार कर दिया. जिसमें टमाटर मांगने गए पड़ोसी की इलाज मिलने से पहले ही मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद सरथाणा पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर हत्या करने वाले पड़ोसी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है.

टमाटर मांगने के मामले में बिधाधारा और कलुगुरु दोनों पड़ोसी थे । रात को बिधाधारा के घर एक मेहमान आया। तो कलुगुरू, जो बिधाधारा पड़ोस में रहता था, टमाटर माँगने के लिए वहाँ गया। हालांकि कलुगुरु द्वारा रात में घर का दरवाजा नहीं खोलने पर बिधाधारा वापस लौट आया, लेकिन सुबह बिधाधारा और कलुगुरुके बीच रात में दरवाजा नहीं खोलने को लेकर झगड़ा हो गया. कलुगुरु ने बिधाधारा को डांटते हुए पूछा कि वह टमाटर क्यों मांगने आया है। इसी बीच कलुगुरू ने गुस्से में आकर बिधाधारा के पेट पर तमाचा जड़ दिया. गंभीर चोट लगने के कारण उपचार मिलने से पहले ही बिधाधारा की मौत हो गई।

हत्यारा कलुगुरुखुद उड़ीसा के गंजाम जिले का रहने वाला है। मृतक और हत्यारा दोनों सांचा मशीन में मजदूर थे। हत्या के बाद, सरथाणा पुलिस ने हत्यारे कालोगुरुसंतोषगुरुको गिरफ्तार कर लिया और आगे की जांच की।

क्या है पूरा मामला ?

अगर पूरी घटना के बारे में बात करें तो मूल रूप से उड़ीसा के गंजम जिले के रहने वाले और लस्काना बापा सीताराम हॉल के पीछे द्वारकेश सोसायटी में किराए के कमरे में रहने वाले ४० वर्षीय बिगधरा पांडव श्यामल का अपने पड़ोसी से विवाद हो गया। २६ जनवरी की रात्रि कालोगुरु संतोषगुरु। इस लड़ाई में हत्यारे को चप्पू से दो घाव लगे. जिससे पड़ोसी बिगधरा की मौके पर ही मौत हो गई।

लस्काना स्थित डायमंड नगर रंग-रोगन खाते में एसिड होने से बड़ी मात्रा में धुआं फैल गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत:लस्काना स्थित डायमंड नगर के पास रविवार सुबह रंग-रोगन खाते में एसिड होने से बड़ी मात्रा में धुआं फैल गया और मौजूद लोग घबरा गए। फायर ब्रिगेड से मिली जानकारी के मुताबिक, रविवार सुबह लस्काना डायमंड नगर स्थित कलर-कोटिंग अकाउंट में काम चल रहा था। उस वक्त सामान में ज्यादा एसिड गिर गया था. जिससे वहां अधिक धुआं निकलने लगा तो वहां मौजूद लोग घबरा गए और खाते से बाहर भाग गए। इस बारे में जानने की होड़ मच गई। कॉल मिलते ही फायर स्टेशन की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। चूंकि वहां काफी धुआं था, इसलिए दो फायरमैनों ने ऑक्सीजन मास्क पहनकर काम किया। दमकल कर्मियों ने एक घंटे के अंदर स्थिति पर काबू पाया तो लोगों ने राहत की सांस ली। अग्निशमन अधिकारी किरण पटेल ने बताया कि इस घटना में कोई घायल या मौत नहीं हुई है.

नायक मराठा समाज सेवा संघ-सूरत द्वारा हल्दी कुमकुम और व्यापार मेले

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नायक मराठा समाज सेवा संघ-सूरत द्वारा हल्दी कुमकुम और व्यापार मेले का आयोजन किया गया. जिसमें नायक मराठा समाज में अलग-अलग क्षेत्रों में कार्यरथ सभी लोगों भाग लिया पिछले ३० वर्षों से चल रहे समाज के सेवा का लाभ सभी लोगों तक पहुचे इस उद्देश्य के तहत अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े समाज के लोगों का वेपार भी विकासशील हो यह उद्देश्य साथ में रखते हुए व्यापार मेले का आयोजन नायक मराठा समाज सेवा संघ द्वारा आयोजित किया गया था। जिसमे समस्त नायक मराठा समाज के अग्रणी व समाजसेवी भारी संख्या में उपस्थित रहे इस मेले में मराठा समाज के व्यापार जगत से जुड़े बिज़नेस करने वाले सस्था के मालिक भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई साथ में उनके बिज़नेस को भी स्क्रीन पर समाज के सामने प्रदर्शित भी किया गया जिसमे अलग अलग व्यापर से जुड़े समाज के व्यापर करने वाले लोगो ने समाज के सामने अपने विचार प्रस्तुत किये इस कार्यक्रम के संयोजक नायक मराठा समाज के महामंत्री गणेश सावंत के सानिध्य में किया गया जिसमे समाज के लोगो सहभीगी बन समाज के लोगों को हर संभव मदद रूप होने का उद्धेश्य से किया गया था. जिसमे समाज के लोगो ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिए और इस कार्यक्रम को सफल बनाया गया. वही पर आई विटनेस चैनल के एमडी गणेश सावंत ने इस ब्यापार मेले में आये हुए पत्रकार बंधुओ को गुलाब का पुष्प देकर सम्मानित किये। और साथ में नायक मराठा समाज सेवा संघ-सूरत प्रमुख श्री समाज के उद्देश्यों को मिडिया के समक्ष रखा.